He Gozette of India

असाधार्ग Extraordinary

भाग II—सब्द 3—उप-खब्द (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY



ei. 299]

नई बिल्ली, बुधबार, जुलाई 13, 1994/अवाढ़ 22, 1916

No. 299]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 13, 1994/ASADHA 22, 1916

वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 1994

(राजस्य विभाग)

ग्रधिमूचना

सं. 145/94--सीमाश्लक

सा. का ति 574 (श्र).—केन्द्रीय सरकार, सीमाणुलर प्रिधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के यथास्थिति, राजन्य और वैक्तिंग विभाग या राजस्व श्रीर बीमा विभाग या राजस्व विभाग की निम्नलियित श्रिधिनुमनाश्रों को विखंडित करता है, श्रिथित :—

- 1. सं. 136/56--सीमाणुल्क, तारीख 30 नवम्बर, 1956
- 2. सं. 67/58--सीमाशुल्क, तारीख 22 फरवरी, 1958
- मं. 151/58—सीमाण्लक, तारीख 10 मई, 1958
- स . 136/62—सीमाश्लक, तारीख 29 ग्रक्त्बर,1962
- मं. 168/62 मीं माश्लक, तारीख 8 नवम्बर. 1962
- 6 मं 169/62---सीमाण्ल्क, तारीख 8 नयम्बर, 1962
- 7. स. 180/63--मीनाश्वक, तारीख 20 ज्लाई, 1963
- 8. मं . 154/76--मीमाण्डक, तारीख 2 श्रगस्त, 1976

- मं. 161/76--सीमाण्ल्क, तारीख 2 अगस्त, 1976
- 10. स. 185/76—मीमाणुल्क, तारीख 2 श्रगस्त, 1976
- 11. सं. 186/76—सीमाश्हक, तारीख 2 श्रगस्त, 1976
- 12 सं. 187/76--सीमाण्लक, तारीख 2 अगस्त, 1976
- 13. सं. 195/76--सीमाणुल्क, तारीख 2 अगस्त, 1976
- 14. स. 201/76—सीमागुल्ध, तारीख 2 श्रगस्त, 1976 15. सं 206/76—सीमागुल्क, तारीख 2 श्रगस्त, 1976
- 16. सं. 207/76---सीमाण्लक, तारीख 2 अगस्त, 1970
- 18 सं. 216/76--सीमाणुल्क, तारीख 2 अगस्त, 1976
- 19 सं. 319/76--मीमाश्लक, नागीख 2 अनस्त, 1976
- 20 सं. 320/76-सीगाश्रुक, तारीय 2 स्रगस्त, 1976
- 21. सं. 183/77—सीमाण्टक, तारीख 22 प्रवस्त, 1977
- 22. सं. 211/77--सीमाण्या, तारीय 15 श्रवतूबर, 1977
- 23. र्ष. 231/77---सीमाणल्क, तारीख 1 नवस्थर, 1977
- 24 म. 195/78--पीमाण्लक, नारील 3 अक्तूबर, 1978
- 25 स 211/78--शीमाशत्क, तारीख 10 नवस्वर, 1978
- 26 स. 147/79—सीमाशत्क, दारीख 29 ज्**न**, 1979
- 27 मं. 149/79 संभागुक्त, तारीख 29 जुन, 1979
- 28. सं. 161/79--सीमाश्लक, तारीख 20 ज्लाई, 1979
- 29. मं. 150/80---पीमाण्या, नारीय 23 ज्लाई, 1980

30 सं. 70/81-सीमाणुल्क, तारीख 26 मार्च, 1981 31. सं. 85/82—सीमाणुल्क, तारीख 15 मार्च, 198232. मं. 271/84--सीमाश्ल्क, तारीख 14 नवम्बर, 1984 291/84 सीमाणुल्क, तारीख 28 दिसम्बर, 1984 115/85-सीमाभुल्क, तारीख 30 मार्च, 1985 34. म. 284/85-सीमाणुल्क, तारीख 2 सितम्बर, 1985 3 5∉ सं. 288/85--सीमाशुल्क, तारीख 2 सितम्बर, 1985 $37. \ \mathrm{ti}$. 371/85—सीमाश्ल्क, तारीख 30 दिसम्बर, 198538. सं. 442/86—सीमाण्ल्क, तारीख 7 अक्तूबर, 198633/86--सीमाशुल्क, तारीख 7 फरवरी, 1986 39 सं. 265/87--सीमाणुल्क, तारीख 3 जुलाई, 1987 40. सं. 41. गं. 303/87--सीमाश्लक, तारीख 2 सितम्बर, 1987 42. गं. 321/87--सीमाश्लक, तारीख 22 सितम्बर, 1987 43. सं. 8/89---सीमाणुल्क, तारीख 16 जनवरी, 1989 44 मं. 213/89-सीमाशुल्क, तारीख 1 प्रगस्त, 1989 45. सं. 254/89—मीमाश्ल्क, तारीख 25 श्रक्तूबर, 1989 46 सं. 255/89—सीमाशुल्क, तारीख 25 भ्रक्तूबर, 1989 47. सं. 10/90—सीमाश्ल्बः, तारीख 1 फरवरी, 1990 48. सं. 105/91--सीमासुल्क, तारीख 25 जुलाई, 1991 $49. \ \text{सi} \cdot 153/91$ —सीमाश्रुल्क, तारीख 2 दिसम्बर, 199150. सं. 123/93--सीमागुल्क, तारीख 14 मई, 1993 51. सं. 96/94---सीमाण्लक, तारीख 1 मार्च, 1994

> फा.सं. 341/23/94—टी. **प्रार. यू.**ी राजीव शर्मा. ग्रवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th July, 1994 No. 145/94-CUSTOMS

G.S.R. 574(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby rescinds the following notifications of the Government of India in the Ministry of Finance in the Department of Revenue and Banking or the Department of Revenue and Insurance or the Department of Revenue, as the case may be, namely :-

- 1. No. 136/56-Customs, dated the 30th November, 1956.
- 2. No. 67/53-Customs, dated the 22nd February, 1958.
- 3. No. 151/58-Customs, dated the 10th May, 1958.
- 4. No. 136/62-Customs, dated the 29th October, 1962,
- 5. No. 163/62-Customs, dated the 8th November, 1962,
- 6. No. 169/62-Customs, dated the 8th November, 1962.
- 7. No. 180/63-Customs, dated the 20th July, 1963.
- 8. No. 154/76-Customs, dated the 2nd August, 1976.
- 9. No. 161/76-Customs, dated the 2nd August, 1976.
- 10. No. 185/76-Customs, dated the 2nd August, 1976.
- 11. No. 186/76-Customs, dated the 2nd August, 1976.
- 12. No. 187/76-Customs, dated the 2nd August, 1976.
- 13. No. 195/76-Customs, dated the 2nd August, 1976. 14. No. 201/76-Customs, dated the 2nd August, 1976,
- 15. No. 206/76-Customs, dated the 2nd August, 1976.

- 16. No. 207/76-Customs, dated the 2nd August, 1976.
- 17. No. 210/76-Customs, dated the 2nd August, 1976.
- 18. No. 216/76-Customs, dated the 2nd August, 1976.
- 19. No. 319/76-Customs, dated the 2nd August, 1976.
- 20. No. 320/76-Customs, dated the 2nd August, 1976.
- 21. No. 183/77-Customs, dated the 22nd August, 1977.
- 22. No. 211/77-Customs, dated the 15th October, 1977.
- 23. No. 231/77-Customs, dated the 1st November, 1977.
- 24. No. 195/78-Customs, dated the 3rd October, 1978,
- 25. No. 211/78-Customs, dated the 10th November, 1978.
- No. 147/79-Customs, dated the 29th June, 1979.
- 27. No. 149/79-Customs, dated the 29th June, 1979.
- 28. No. 161/79-Customs, dated the 20th July, 1979.
- 29. No. 150/80-Customs, dated the 23rd July, 1980.
- 30. No. 70/81-Customs, dated the 26th March, 1981.
- 31. No. 85/82-Customs dated the 15th March, 1982.
- 32. No. 271/84-Customs, dated the 14th November, 1984.
- 33. No. 291/84-Customs, dated the 28th December, 198
- 34. No. 115/85-Customs, dated the 30th March, 1985.
- 35. No. 284/85-Customs, dated the 2nd September, 1985.
- 36. No. 288/85-Customs, dated the 2nd September, 1985.
- 37. No. 371/85-Customs, dated the 30th December, 1985.
- 38. No. 442/86-Customs, dated the 7th October, 1986.
- 39. No. 33/86-Customs, dated the 7th February, 1986.
- 40. No. 265/87-Customs, dated the 3rd July, 1987.
- 41. No. 303/87-Customs, dated the 2nd September, 1987.
- 42. No. 321/87-Customs, dated the 22nd September, 1987.
- 43. No. 8/89-Customs, dated the 16th January, 1989.
- 44. No. 213/89-Customs, dated the 1st August, 1989.
- 45. No. 254/89-Customs, dated the 25th October, 1989.
- 46. No. 255/89-Customs, dated the 25th October, 1989.
- 47. No. 10/90-Customs, dated the 1st February, 1990.
- 48. No. 105/91-Customs, dated the 25th July, 1991.
- 49. No. 153/91-Customs, dated the 2nd December, 1991.
- 50. No. 123/93-Customs, dated the 14th May, 1993.
- 51. No. 96/94-Customs, dated the 1st March, 1994.

[F. No. 341/23/94-TRU]

RAJIV SHARMA, Under Secy.

ग्रधिमूचना

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 1994 सं. 146/94, सीमा-शुल्क

सा. का. नि. 575 (म्र) --- केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क म्रिधिन्यम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना श्रावश्यक है, इससे उपाबद्ध सारणी केस्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट वर्णन के ग्रीर सीमागुल्क टैरिफ ग्रधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनसूची के अन्तर्गत स्राने वाले माल को जब उसका भारत में प्रायात किया जाए, उक्त पहली प्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उस पर उद्ग्रहणीय समस्त सीमाशुल्क से और द्वितीय वर्णित ग्रिधिनियम की धारा 3 के श्रधीन उस पर उद्ग्रहणीय समस्त म्रतिरिक्त मुल्क से उक्त सम्रणी के स्तंभ (1) में प्रत्येक कम

संख्यांक के सामने स्तंभ (3) में विनिर्दिष्ट शर्तों के श्रधीन रहने हुए छूट देती हैं।

सारणी

% म माल का वर्णन पार्ते सं. (1) (2) (3)

- 1. निम्नलिखित माल
 - (क) खेलकूद का माल खेल उपस्कर श्रौर खेल की ग्रपेक्षित वस्तुएं,
 - (ख) पुर्जे, उपसाधन भ्रौर उपरोक्त (क) के भ्रन्तर्गत भ्राने वाले माल से संबंधित खपने योग्य सामान
- (क) उन्त माल भारत या विदेश में होने वाले राष्ट्रीय या अन्तर्राष्ट्रीय चेम्पीयनशिप या स्पर्धा में उपयोग के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए प्रमाणपत्न के प्रधीन राष्ट्रीय खेल परिसंघ द्वारा या भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा भारत में भ्रायात किया जाता है,
- (ख) श्रायातकर्ता, माल की निकासी के समय सीमाशुल्क सहायक कलक्टर को भारतीय खेल प्राधिकरण के निदेशक से श्रनिम्न पंक्ति के किसी श्रधिकारी का निम्नलिखित उपदर्शित करते हुए प्रमाणपत्न प्रस्तुत करता है,—
- (i) श्रायातकर्ता का नाम श्रौर पता श्रौर उक्त माल का वर्णन, उसकी माला श्रौर मुल्य, श्रौर
- (ii) यह िक उक्त माल उप-रोक्त शर्त (क) में विनि-दिष्ट प्रयोजन के लिए श्रपेक्षित है,

निम्नलिखित खेल के लिए

- (2) नीचे लिखे खेल माल:
- I. तीर दाजी
 - (1) धनुष श्रौर तीर
 - (2) धनुप हत्था
 - (3) धनुष फलक,
 - (4) धनुष नाली,
 - (5) "बी" बार सैंट
 - (6) बटन
- (क) भारत में उक्त माल का खेलों के किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति द्वारा प्रशिक्षण के प्रयोजन के लिए श्रायात किया गया है,
- (ख) भ्रायातकर्ता, माल के भ्रायात के समय सीमाशुल्क

- $(1) \qquad (2)$
 - (7) मजबूत भ्रौर हल्की डोरी---रस्सी
 - (8) तीर पट्टी
 - (१) भ्रंगुलीकी पट्टी
 - (10) बांह रक्षक
 - (11) निशाना फलक
 - (12) दुरबीन

(3)

सहायक कलक्टर को भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के युवा श्रीर खेल विभाग के किसी उप सविव से श्रीतम्ब पंक्ति के किसी प्राधिकारी का निम्निजिखिन उपदिशित करते हुए प्रसाण-पत्न प्रस्तुत करता है:——
(i) उक्त साल का वर्णन,

- (i) उक्तमालकावर्णन, गात्राश्रीर उसका मृल्य
- (ii) यह कि आयातकर्ता खेलों का एक प्रति-ण्ठित व्यक्ति है, और
- (iii) यह कि उक्त माल
 श्रायातकर्ता के
 प्रशिक्षण के
 प्रयोजनों के लिए
 श्रावस्यक है ग्रीर
 उस पर छूट दोजाने
 की सिफारिश की
 जाती है।

Ⅱ. व्यायाम

- (1) तारगोला फैंकना
- (2) चक्का
- (3) निशानेबाज
- (4) भाला
- (5) रेशा कांच कुदान लग्गा
- (6) जूते

Ⅲ. बैडमिटन

- (1) णटल काक
- (2) रेकेट
- (3) रेकेट डौरी रस्सी

IV. बास्केट बाल

- (1) रेचक ग्राभिलम्ब(हाइड्रा ग्रपराइट)
- (2) उच्चतर क्वालिटी की बास्केट बाल

V. बिलियर्ड श्रौर स्नुकर

- (1) बिलियर्ड ग्रीर स्न्कर बाल
- (2) संकेत (क्यूज)

THE GAZETTE OF INDIA: EXTRAORDINARY (1) (1) (2)(2)(3)(3)VI. मुक्केबाजी (4) घोड़ा घूंसेबाजी (5) घोड़ा कुदान (1) कव संरक्षक (6) रोमन रिंग (2) णीर्परक्षक (7) छलांग धवान पथ (3) मुख रक्षव/मस्दा ढाल (8) कुदान पटल (4) मुक्केबाजी दस्ताना (9) संतुलन कड़ी (5) गति बालस (10) श्रसम घेरा (6) प्रशिक्षण रोबोट (11) सतह पट्टिका (7) जूते (12) समानांतर घेरा VII. साइकिल चलाना पटरी

- (1) हेलमैंट वायगतिकी
- (2) त्वचा सह्य चढ्ने का सामान (एक पीस टी-शर्ट और जांधिया)
- (3) साइकिल चलाने के चमडे के जुते पंच्चर सहित
- (4) दस्ताने
- (5) त्वचा सहय गर्म रखने का सामान (नीचे ग्रौर ऊपर एक पीस का पूरा **ग्रास्तीन**)
- (6) प्रतिस्पर्धा ग्रीर प्रशिक्षण के लिए स्पर्धावाली माइकिल (सड़क) पुजें सहित
- (7) प्रतिस्पर्धा ग्रीर प्रशिक्षण के लिए स्पर्धा साइकिल (पटरी) पुज के साथ

VⅢ. श्रसिकीडा

- (1) असिकीड़ा उपस्कर के पूर्ण सैट उप-साधनों सहित
- (2) जूते,

IX. फुटबाल

- (1) उच्चतर क्वालिटी के फुटबाल
- (2) गोलकी का पूरा सामान

\mathbf{X} . कसरत

- (1) ट्रैम्पोलाइन
- (2) समानान्तर घेरा
- (3) दातीजीय गेरा

- (13) ग्रसम घेरा पटरी
- (14) फीता और रिंग

XI. गोल्फ

- (1) गोल्फ गेंब
- (2) गोल्फ डंडा

XII. हाकी

- (1) गोलकी का पूरा सामान
- (2) संक्लिप्ट डिपल बाल
- (3) जूते

XIII. हैंड बाल

(1) उच्चतर क्वालिटी के हैंड बाल

XIV. जूडो

- (1) जुडो चटाई
- (2) जुडो पोशाक
- (3) सहारा भ्रौर पट्टा
- (4) जूडो डम्मी
- (5) जूते

XV. गोली मारना

- (1) राइफल--22 केलिब्रेस (जिसमें कम से कम 10 मि.मी. की परिधि का बाहर की भ्रौर एक बैरल होना चाहिए)
- (2) पिस्तौल-22 भौर 32 केलिग्रेस (बैरेल को दरार बिंदु से मापा जाना चाहिए)
- (3) वाय्राध्कल/ पिस्तौल-4.5 मि.मी. 10.177 केलिडोस

(1)

(1)

(3)

(3)

(4) निजाना लगाने वाली गन -12बीर (उसमें गमनागमन रिब, श्रीर एैकल

(2)

दृष्टि प्लेन होना चाहिए)

- (5) वायु पिलेटम डाइबलो टाइप (श्रर्थात जिसकी पेंट की गई टोटी बिद्रु पर चिपटी नाज स्केंड हो)
 - (6) गोला बारूद-12 बोर कार्टिज
 27 वायु पिलेटस
 22 बोर मैंच कार्टिज
 22 बोर रैपिड
 फायर (शार्ट)
 कार्टिज
 22 बोर पिस्तौल मैंच
 मानक खेल
 32 बोर गद्दी कर्तन
 - (7) 22 और रिवास्वर जिसके बैरेल की लम्बाई 4 1/2 इंच से अन्यून नहीं होना चाहिए और माप कार्टिज धारक सिलेंडर के छोर से किया जाना है)
 - (8) 22 बोर रिवाल्यर (बैरेल की लम्बाई उपरोक्त का सामान)
 - (9) टेलिस्कोप

XVI. स्किंग

- (1) स्कीस
- (2) स्कीबाइंडिंग
- (3) स्कीबृट
- (4) स्कीसृट
- (5) जूते

XVII तैराकी बाटरपोलो

- (1) धप चश्मा
- (2) गति नियामक घडी
- (3) पल बोया
- (4) किंक बोर्ड

XVIII. देवल दैनिस

- (1) बाल
- (2) रैंकेटस
- (3) रवड़ की चादरें

(1) उच्चतर क्वालिटी के बालीबाल

(2)

- (2) दाब गेज
- (3) घुटने की पट्टी
- (4) बालीबाल के समायोजनीय पोल
- (5) बालीबाल फाइबर ग्लास एंटिना

XX. भारोत्तोलन

- (1) बारबेल सैट ग्रौर छड़ें
- (2) बारबेल प्लेटम डिस्क
- (3) जूते

XXI. कुश्ती

- (1) कुण्तीचटाई
- (2) डम्मी
- (3) कुश्तीका पहनावा

XXII. नौकापाल

(1) दूरबीन

[फा. वं. 341/23/94~टो. श्रार. यू./] राजीव णर्मा, श्रवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 1.3th July, 1994 No. 146/94-CUSTOMS

G.S.R. 575(E). —In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of .962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the goods of the description specified in column (2) of the Table hereto annexed and falling within the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India, from the whole of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule and from the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the second mentioned Act subject to the conditions specified in column (3) against each serial number in column (1) of the said Table.

TABLE S.No. Description of goods Conditions (1) (2) (3)

- The following goods:—

 (a) Sports goods, sports
 equipments and sports
 - requisites;
 - (b) Sparcs, accessories and consumables relating to goods covered by (a) above.
- (a) The said goods are imported into India by a National Sports Federation, under a certificate issued by the Sports Authority of India or by the Sports Authority of India for use in a national or international championship or competition, to be held in India or abroad;

(1

(3)

(2) (b) theimporter, at the time of

- (i) the name and address of importer and the description, quantity and value
- (ii) that the said goods are required for the purpose specified in condition (a) above.
- 2. The following sports goods for:
 - I, ARCHERY
 - (1) Bows and Arrows
 - (2) Bow Handles
 - (3) Bow Limbs
 - (4) Bow Sinked
 - (5) 'V' Bar Set
 - (6) Button
 - (7) String Material fast and light
 - (8) Arrow Tabs
 - (9) Finger Tabs
 - (10) Arm Guards
 - (11) Target Face
 - (12) Binoculars
 - II. ATHLETICS
 - (1) Throwing Hammers
 - (2) Discus
 - (3) **Shot**

- clearance of the goods, produces a certificate to the Assistant Collector of Customs from an officer not below the rank of a Director in the Sports Authority of India indicating--
- of the said goods; and
- - (a) The said goods imported into India by a sports person of outstanding eminence for training purposes;
 - (b) the Importer, at the time of importation of the goods, produces a certificate to the Assistant Collector of Customs from an officer not below the rank of a Deputy Secretary in the Department of Youth Affairs and Sports, Ministry of Human Resource Development, Government of India indicating.
 - (i) the description, quantity and value of the said goods:
 - (ii) that the importer is a sports person of outstanding eminence; and
 - (iii) that the said goods are essential for the training purposes of the importer and recommends grant of the exemption.
- (4) Javelin
- (5) Fibre Glass Vaulting Poles
- (6) Shocs

III. BADMINTON

- (1) Shuttlecocks
- (2) Racquets
- (3) Racquet Strings

IV. BASKET BALL

- (1) Hydra Upright
- (2) Basket balls of superior quality

V. BILLIARDS AND SNOOKER

- (1) Billiards/Snooker Balls
- (2) Cues

VI. BOXING

- (1) Cub Protector
- (2) Head Guard

- (3) Mouth Guard/Gum Shields
- (4) Boxing Gloves
- (5) Speed Balls
- (6) Training Robots
- (7) Shoes

VII. CYCLING

- (1) Helmet, aerodynamic
- (2) Skin flt riding kit (T-Shirt and shorts in one picce)
- (3) Leather cycling shoes, with cleats
- (4) Gloves
- (5) Skin-fit warming up kit (one piece lower and top full sleeve)
- (6) Racing cycles (Road) for competitions and training, with spares
- (7) Racing cycle (track) for competitions and training, with spares

VIII. FENCING

- (1) Complete set of fencing equipment with accessories/spares
- (2) Shoes

IX. FOOTBALL

- (1) Footballs of superior quality
- (2) Goal keeper kits, complete

X. GYMNASTICS

- (1) Trampoline
- (2) Parallel bar
- (3) Horizontal Bar
- (4) Pommel horse
- (5) Vaulting Horse (6) Roman rings
- (7) Vault runway
- (8) Vaulting Boards
- (9) Balance Beans
- (10) Uneven bar
- (11) Floor plates
- (12) Parallel bar rails
- (13) Uneven bar rails
- (14) Straps and rings

XI. GOLF

- Golf balls
- (2) Golf clubs

XIJ. HOCKEY

- Complete goal keepers* kits
- (2) Synthetic dimpled balls
- (3) Shoes

XШ. HAND BALL

Hand balls of superior quality

XIV. JUDO

- (1) Judo Mats
- (2) Judo Dresses
- (3) Supporting and Strapping
- (4) Judo Dummy
- (5) Shoes

(1)	(2)	, 3)	(1)	(¬)	(3)
XV. SF	HOOTING		XVI.	SKIING	
(1) 1	Rifles22 Calibres		(1)	Skias	
((should have at least		(2)	Ski bindings	
1	an outside barrel		(3)	Ski boots	
(diameter of 10 mm)		(4)	Ski suits	
(2) I	Pistols= .22 and .32		(5)	Shocs	
(Calibres (barrels		YVII	SWIMMING/WATE	EP POLO
	should be measured				EKTOLO
	rom the Breach point)			Goggles Pace clocks	
	Air Rifles/Pistols-		, ,		
	l.5mm/0.177 Calibres			Pull buoy	
	Shot Guns-12 bore			Kick boards	
	should be "Venti-		XVIII	. TABLE TENNIS	
	ated Rib" and		(1)	Balls	
	'Single Sighting planes")		(2)	Racquets	
	Air pellets-Diabelo-		(3)	Rubber sheets	
	ype (i.e. with flat		VIV	VOLLEYBALL	
	osecand metround				
	on painted nose)		(1)	Volleyballs of superio	r
	Ammunition—		(3)	quality	
	2 bore cartridges,			Pressure guage	
	27 air pellets,		• •	Knee pads	
	22 bore mutch		•	Volleyball adjustable	•
	artridges,		(5)	Volleyball fibreglass a	ntenna
	22 bore rapid fire		XX. V	VEIGHTLIFTING	•
	short) cartridges,		(1)	Barbell sets and rods	
	22 broe pistol match		(2)	Barbell plates/discs	
	tandard sports, 32 bore wad-cutters			Shoes	
			IXX	WRESTLING	
` '	32 bore revolver		,	Wrestling Mats	
, ,	barrel length should			Dummy	
	ot be less than			Wrestling costumes	
	1/2" and measure-		. ,	-	
	nents are to be taken		XXII	YACHTING	
	rom the end of the			Binoculars	
	ylinder holding the				
	artridge)				
(8) .2	22 bore revolver-				

[F.No. 341/23/94-TRU]

RAJIV SHARMA, Under Sucy.

श्रधिसूचना

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 1994 सं. 147/94-सीमाशुल्क

सा. का. नि. 576 (ग्र). — केन्द्रीय सरकार, सीमाणुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करन। श्रावश्यक है, इसने उपाबद्ध हारणी के स्तंभ (2) में विनिदिष्ट वर्णन के ग्रीर सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 वर्ग 51) की पहली शनुसूची के अन्तर्गन स्राने वाले मास को (जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त माल कहा गया है) उक्त पहली अनुसूत्री में विनिर्दिण्ट उसे पर उद्ग्रहणीय सीमाणुल्क के उतने भाग से जो उक्त सारणी के स्तंभ (3) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में दिनिधिष्ट यथ से संगणित उपार से धरीधा है, उक्त सारणी केस्तंभ (1) में प्रत्येक कम सं. के सामने स्तंभ (4) में विनिर्दिष्ट णतीं के अधील रहते हुए छूट देती है ।

सारणी

कम संख्या माल का वर्णन दर	भत
$(1) \qquad (2)$	(4)

1. निम्नलिखित माल :---

(barrel length same

as above)

(9) Telescope

(क) उक्त पहली अनुगूनी के शीर्ष सं. 95.06 के भ्रन्तर्गत भ्राने वाले गॉल्फ उपस्कर

पर्यटन संतालय, किसी राज्य पर्यटन विकास म्ल्यका 30 प्रतिशत या राज्य पर्यटन लिगम द्वारा या भारत

सरकार के पर्यंटन मंत्रालय के पर्यंटन

(1)

(2)

(3)

(4)

महानिदेशक द्वारा अनुमोदित होटल, पर्यटन संचालक या याता अभिकर्ता द्वारा उक्त माल का भारत में आयात किया जाता है।

(ख) प्रोद्यभ की इा उपस्कर

- (ख) म्रायातकर्ता द्वारा इस ग्रधिसूचना के म्रन्तर्गत म्रायातित उक्त माल का सी. म्राई. एफ. मूल्य एक करोड़ रूपए से म्रधिक नहीं हैं; भ्रौर
- (ग) ग्रायातकर्ता, ग्रायात के समय,सीमा णुल्क सहायक कलक्टर के समक्ष --
 - (i) प्रोद्यभ कीड़ा उपस्करों के भ्रायात की दणा में, भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के पर्यटन महा-निदेशक (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त महानिदेशक कहा गया है) का इस भ्राशय का एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना है कि उक्त उपस्कर प्रोद्यभ कीड़ा के लिए भ्रपेक्षित है; भ्रौर
 - (ii) उक्त भाल को इस ग्रिधिसूचना के ग्रिधीन छूट दी जाने के लिए उक्त महानिदेशक की सिफारिश प्रस्तुत करना है।

2. ग्रम्यायुध ग्रौर गोला बारूव

मुल्य का 50 प्रतिभत

- (i) उक्त माल निजी सामान के रूप में या श्रायात व्यापार नियंत्रण निर्वन्धनों से छूट प्राप्त या विदेश व्यापार महानिदेशक द्वारा जारी किए गए सीमाशुल्क निकासी अनुज्ञापल या आयात अनुज्ञापल के श्रन्त-र्गत श्राने वाले दान के रूप में श्रायात किया गया है; श्रौर
- (ii) माल विख्यात नियानेबाज के प्रयोग के लिए हैं।

स्पष्टीकरण—"विख्यात निमानेवाज" से ऐसा व्यक्ति श्रभिश्रेत है जिसकी वाबत राष्ट्रीय राइफल संगम ने यह प्रमाणित किया है कि श्रायात से ठीक पहले श्रायोजित राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उसका स्थान पहले दस निभानेवाजों में है।

[फा. सं. 341/23/94--टी. श्रार.यू.] राजीव शर्मा, ग्रवर सचिव

(1)

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th July, 1994

No. 147/94-CUSTOMS

G.S.R. 576(E).—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods (heremafter referred to as the said goods) of the description specified in column (2) of the Table hereto annexed and falling within the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), from so much of that portion of the duty of customs leviable thereon, which is specified in the said First Schedule, as is in excess of the amount calculated at the rate specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table subsubject to the conditions specified in column (4) against each serial number in column (1) of the said Table.

TABLE

S.	Description	Rate	Conditions
No	, of goods		
~			
(1)	(2)	(3)	(4)

- 1. The following 30% roods: ad valorem
 (a) Golf equipments falling under heading
 No. 95.06 of the said First Schedule
- (a) The said goods are imported into India by the Ministry of Tourism, a State Tourism Department or State Tourism Corporation, or hotel, tour operator of travel agent approved by the Director General of Toursim in the Ministry of Tourism, Government of India;
- (b) Adventure Sports Equipments
- (b) the CIF value of the said goods imported under this notification by an importer does not exceed rupees one erore; and
- (c) the importer, at the time of import, produces before the Assistant Collector of Customs—
 - (1) In case of imports of Adventure Sports Equipments, a certificate from Director General of Tourism in the Ministry of Tourism of the Government of India (heremafter referred to as the said Director General), to the effect that the said equipments are required for adventure sports; and (ii) a recommendation from the said Director General for the grant of exemption under notification for the said goods.

		_ -
2.	Firearms and	50",
	ammunition	ad volorem

(2)

(i) The said goods have been imported as personal baggage, or as gifts exempted from the Import Trade Control restrictions, or covered by Customs Clearance Permit or Import Licence issued by the Director General of Foreign Trade; and

(4)

(ii) the goods are for the use of a renowned shot.

Explanation: "renowned shot" means a person certified by the National Rifle Association as ranking within the first ten in the National Championship held immdediately preceding the importation.

[F.No. 341/23/94-TRU]

RAJIV SHARMA, Under Secy.

श्रधिमूचना

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 1994

भ. 119-94-सीमास्क

सा.का.िन. 577(अ) — केन्द्रीय संस्कार, सीमागुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उनधारा (1) द्वारा प्रवस्त्र सिमागुल्क हैं, इसमें उगाने इस माधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक हैं, इसमें उगाने इस मरणी के स्वस्थ (2) में बिनिंद्ध वर्णन के और मीमाणुल्क हैं/फ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुमूची के अन्तर्गत आने वाले माल को (जिन्हे इसमें इस है परवान् उक्त माल कहा गया है). उक्त पहली अनुमूची के अधीन उन पर उक्त पहली संपूर्ण मीमाणुल्क में और दितीय उल्लिगंखन अधिनियम को धारा 3 क अधीन उन पर उक्ष संख्याक के सामन स्वस्थ (3) में विनिक्षिण्ट मानी के अधीन रहने हुए, छुट वेरी है।

सारणी

	((1, 4)
	 ทศ์
(1) (2)	(3)
तिम्मलिखित माल .	 (i) उक्त भाग भारा में किसी पूर्व सगठत द्वारा विदेश से उगको तिःशृष्क दान के रूप में ∫श्रायाण किल् गए हैं सं उसके द्वारा विदेशी भुटा में विदेश से प्राप्त सदान से क्रय किए गए है;
	(ii) उक्त माल आति, पंथ या मूलवण का कोई विभेद तिए विना निर्धना और जल्दाभदी को निज्ञुलक वितरण के निए हैं;

(1) (2)

na in the second of

(3)

(1) (2)

(3)

(iii) भाषातकर्ता, उक्त माल का

- (क) संबद्ध राज्य मरकार से सीमाणुल्क महायक कलक्टर के समक्ष यह प्रमाणित करते हुए एक प्रमाणिय के प्रमुख करता है कि यह जाति, पंच या मुलबंण का कोई विभेव किए बिना निर्धनों और जरूरतमबों के लिए राहन कार्य भे और राहत प्रदाय के वितरण में लगा एक मद्भाविक संगठन है; या
 - (क) ६स संबंध में सहायक कलक्टर का धन्यका समा-धान करता है;
- (iv) महायक कलक्टर का मायात करने वाले संगठन के ऋियाकलाप और सदभावी. उसके प्रचा-लन के क्षेत्र, उसके वित्तीय साधनों, बाता की प्रास्थिति, भागात किए गए माल की प्रकृति, मृत्य और माला, उन लोगों की, जिनमें प्रायातित माल का विवरण किया जाता है. खाद्य और पहुनावा संबंधी धादतों का ध्यान में रखने हुए यह समाधान हो गया है कि माल जाति, पंथ या मुलबंश का कोई विभेष किए बिना निर्धनों और जरूरतमदो में निशस्क वितरण के लिए सदभाविक दान
- (v) भायातकर्ता सीमाशुल्क सहायक कलक्टर को इस ग्राशय का एक वजनबंध देता है कि वह संबद्ध राज्य सरकार से उपत माल का भामात करने की तारीख में छह मास या ऐसी बदाई गई भ्रविध के भीतर जो सीमाशुल्क सहायक कलक्टर भनुभात करे, यह कि भात कर है ए एक प्रमाणपळ देगा कि उक्त माल जाति, पंद या म्लवंग का कोई विभेद किए बिना निर्धनों और जल्दतमदों में मुक्त बितरित किए गए हैं;
- (vi) जहां उक्त माल विवेशी मृद्य।

 में विदेश से प्राप्त । संदाा से
 कप किए गए हैं; वहां संगठन
 को भारतीय रिजर्व वैक द्वारा विदेशों में संदान की गई निधियां प्राप्त करने के प्रयोजन के लिए विदेश में लेखा रखने के लिए धनुकाल किया गया हो।

2 इंडियन रेड काम मोमाइटी द्वारा आयातकर्ता, आयात रते के समयः आयातित माल । महामचित्र, दंखियन रैंड काल

. . /----- 12 .-- - --

- औषधियां, औषध और चिकित्या उपस्कर ।
- ायानकर्ता, प्रायात रते के समय.

 महासचित्र, इंडियन रैंड कास

 मोस इटी से लीमाणुल्क सहायक
 कलक्टर के समक्ष इस प्रायय का
 एक प्रमाणपत प्रस्तुत करता है
 कि प्रयन्त माल दीन त्यक्तियों
 को राह्त पहुंचाने के प्रयोजनों
 के लिए प्रयोजन हैं।
- (i) उक्क माल भोपाल गैम विभी-थिका से पीड़िन व्यक्तियों के उपचार के लिए ग्रापेक्षित हैं;
- (ii) भाषातकर्ता, निकासी के समय और स्थान में, मध्य प्रदेश सरकार के किसी ऐसे म्रधिक(री से, जो सरकार के संयुक्त सचिव की पिक्ति से नीचे का न हो, इस माशास का एक प्रमाणयत्न प्रस्तूत करता है कि विनिविध्ट औषधियां, औषध और विकित्सा उपस्कर भोपाल गैस विभीविका से पीडित व्यक्तियों के उपचार के लिए भ्रवेक्षित हैं, और ऐसी औषधियों, औषधों तथा चिकित्सा उपस्करों के उनके भायत करने की तारीख सं तीन मास के भीतर इस प्रकार उपयोग किए जाने की मंभावना है;
- (iii) भायातकर्ता, सीम गुल्क सहा-यक कलक्टर को इस मागय का एक बचनबंध देता है कि वह मध्य प्रदेश सरकार के किसी ऐसे प्रधिकारी से, जो उस सरकार के संयुक्त सचिव की पंक्रित से नीचे का न हो, ऐसी औषधियों, औषधों और चिकित्सा उपस्करों का मामात करने की तारीख से छह मास या ऐसी बढ़ाई गई भवधि के भीतर जो सीमाशुल्क सहायक कलक्टर भनुज्ञात करे, यह प्रमाणित करते हुए एक प्रमाणपत्न देगा कि औ-पधियों, औषधों और चिकित्सा उपस्करों का इस प्रकार उपयोग किया गया है।
 - स्पष्टीकरण: "भोपाल गैस विभी-षिका" से भिभिन्न है 2 और 3 विमन्वर, 1984 को हुई घटना, जिसमें भोपाल में एक संयंत्र से (जो यूनियन कार्बाइड इंडिया लिभिटेड का एक संयंक्ष है और यूनियन कबौइड कार्पोरेशन, संयुक्त राष्ट्र भमेरिका का समनुषंगी है) भति हानिकर और असमान्य रूप से खतरनाक गैस का छोड़ा जाना अंतर्बलित था, जिसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर जीवन को हानि तुई और संग्रति का नुकसान पहुंचा।

(1) (2)

4. (i) कोम्रापरेटिव फॉर म्रमेरिकन रिलीफ एवरीब्हेयर, निगमित (जिसे हममें इसके परवात् "केयर" कहा गया है) या भारत सरेकार द्वारा भारत के राष्ट्रपति और "केयर" के बीच करार के प्रश्लीम धनुमोदित उसके बितरक संगठनों द्वारा भ्रायानित दान माल तथा प्रवाय और उपस्वर: और

ग्रायातकर्ता, ग्रायात करने के समय, एक वचनवंध देता है कि ऐसे प्रदायों और उपस्कर का, उन प्रयोजनों के लिए, जिनके लिए उनका घायात लिए, जिनके लिए उनका भायात किया गया था, भ्रपेक्षित न होने पर भारत से निर्यात किया जाएगा और म्रायातित प्रदाय तथा अपस्कर 'केयर' या उसके विसरक संगठनों के प्रधिकारियों के निजी अपयोग के लिए प्रभिप्रेत नहीं है तथा धारो यह कि कोई भी दान माल, प्रवाय या उपस्कर, उक्त करार के उल्लंघन में विक्रय के रूप में या घन्यथा किसी तीसरे पक्षकार को संक्रांत नहीं किया जाएगा ।

- (ii) 'केयर' के प्रधिकारियों के प्राप्तकीय उपयोग के लिए प्रवाय और उपस्कर।
- राहत और पुनर्वास के प्रयोजनीं के लिए भारत में भाग्यातित माल।
- (i) उनत माल भारत सरकार और किसी विदेशो सरकार के बीच प्रवृत्त किसी करार के, जिसमें ऐसे माल के भारत में शुल्क-मुक्त प्रवेश के लिए उपबंध किया गया हो, निबंधनों के धनुसार भारत में भायात किए जाते है; और
 - (ii) इस प्रकार धायातित मालका, सरकार के पूर्व अनुमोदन से हां, और ऐसा भनों के, जो सरकार द्वारा इस निमित्त ऋषि-रोपित को जाएं, पूरा करने पर, भारत में विकय या अन्यया स्थयन किया जाएसा।
- 6. साच वस्तुएं और खाद्य मामग्री।
- माल का या तो संयुक्त राष्ट्र संगठन द्वारा या पूरोपाय प्रार्थिक समुदायों द्वारा धनुमोदित भ्रषि-करणीं द्वारा भारत सरकार को नि.णुल्क वान के रूप में प्रदाय किया जाता है।
- (i) भारत सरकार को रक्षा कार्मिकों के उपयोग के लिए संदान को गई बस्तुएं।
 (ii) राष्ट्रोय रक्षा निधि में संदोन को गई बस्तुएं, जिनके भ्रन्तर्गत कृषियन भी है।
- संदान की गई वस्तुएं निर्यात वाले देण में भारतीय मिशन के पास जसा की गई हों और उस मिशन द्वारा भारत सरकार को या ऐसे प्रक्षिक रो या प्रधिकारयों को, जो वह सरकार इस मिमिला विनिक्षिट करे, भेजी गई हों।

[फा. सं. 34.1/2.3/94-टो.धार.यू.] राजोध गर्मा, अवर मचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th July, 1994 No. 148/94-CUSTOMS

G.S.R. 577(E).—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods (hereinafter referred to as the said goods) of the description specified in column (2) of the Table hereto annexed and falling within the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), from the whole of the duty of customs leviable thereon under the said First Schedule and from the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the second mentioned Act subject to the conditions specified in column (3) against each serial number in column (1) of the said Table.

TABLE

S, No.	Description of goods	Conditions
(1)	(2)	(3)

- 1. The following goods:
 - 1. Foodstuffs
 - 2. Medicines
 - 3. Medical stores of perishable nature
 - 4. Clothing
 - 5. Blankets
- (i) the said goods have been imported by a charitable organisation in India as free gift to it from abroad or purchased out of donations received abroad in foreign exchange by it;
- (ii) the said goods are for free distribution to the poor and the needy without any distinction of caste, creed or race;
- (iii) the importer, at the time of importation of the said goods,...
 - (a) produces a certificate to the Assistant Collector of Customs from the State-Government concerned certifying that it is a bona fide organisation engaged in relief work and in the distribution of relief supplies to the poor and the needy without any distinction of caste, creed or race; or
 - (b) otherwise satisfies the Assistant Collector in this regard:
- (iv) the Assistant Collector is satisfied, having regard to the activities and bona fides of the importing organisation, the area of its operations; its financial resources; the status of the donor; the nature, value and quantity of the goods imported; the food and sartorial habits of the people amongst whom the imported goods are to be distributed; that the goods are bona fide gifts for free distribution to the poor and the needy without any distinction of caste, creed or race;
- (v) the importer gives an undertaking to the Assistant Collector of Customs to the effect that he

would furnish from the State Government concerned within six months from the date of importation of the said goods or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow, a certificate stating that the said goods have been distributed to the poor and the

> (vi) where the said goods have been purchased out of donations received abroad in foreign exchange, the organisation has been permitted to maintain an account abroad by the Reserve Bink of India for the purpose of receiving lunds donated overseas.

needy, free of cost without any

distinction of caste, creed or race;

the Indian Red **Cross Society**

2. Goods imported by At the time of importation, the importer produces to the Assistant Collector of Customs a certificate from the Secretary General, Indian Red Cross Society, to the effect that the goods in question are required for purposes of relief to distressed persons.

3. Drugs, medicines and medical equipments

- (i) The said goods are required for the treatment of the victims of the Bhopal Gas Leak Disaster;
- (ii) the importer produces, at the time and place of clearance, a certificate from an officer of the Government of Madhya Pradesh not below the rank of a Joint Secretary to that Government, to the effect that the specified drugs, medicines and medical equipments are required for the treatment of the victims of the Bhopal Gas Leak Disaster, and that such drugs, medicines and medical equipments are likely to be so used within three months from the date of their importation;
- (iii) the importer gives an undertaking to the effect that he would furnish a certificate from an officer of the Government of Madhya Pradesh not below the rank of a Joint Secretary to that Government to the Assistant Collector of Customs within six months from the date of importation of such drugs, medicines and medical equipments or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow, certifying that the drugs, medicines and medical equipments have been so used.

Explanation: "Bhopal Gas Leak Disaster" means the occurence on the

2nd and 3rd days of December, 1984. which involved the release of highly noxious and abnormally dangerous gas from a plant in Bhopal (being a plant of the Union Carbide India Limited, a subsidiary of the Union Carbide Corporation, U.S.A.) and which resulted in loss of life and damage to properly on an extensive

scale.

4. (i) Gift goods and supplies and equipment imported by Cooperative for American Relief Everywhere, Incorporated, (hereinafter referred to as CARE or its distributing organisations, approved by the Government of India, under the the President of India and CARE; and (ii) Supplies and equipment for the official use of the officers of CARE.

The importer, at the time of import, gives as undertaking that the supplies and the equipment when no longer required for the purposes for which they were imported, will be exported out of India and that the imported supplies and equipment are not meant for the personal use of the officers of CARE or its distributing organisations)and, further, that any of the gift goods, supplies or equipment shall not be passed on to a third party by way of sale or Agreement between otherwise in contravention of the said Agreement.

- 5. Goods imported into India for the purposes of relief and rehabilitation.
- (i) The said goods are imported into India in accordance with the terms of any agreement in force between the Government of India and any foreign Government providing for duty-free entry of such goods into India; and
- (ii) the goods so imported shall not be sold or otherwise disposed of In India except with the prior approval of, and on fulfilment of such conditions as may be imposed by, the Government in this bchalf.
- edible material

6. Articles of food and The goods are supplied as free gifts to the Government of India, either by the agencies approved by the United Nations Organisation or by the European Economic Community.

of India for use of defence personnel to the National Defence Fund

7. (i) Articles donated The articles donated were deposited to the Government with the Indian Mission in the country of export and despatched by that Mission to the Government (ii) Article! Includ- of India or to such officer or officers ing bullion donated as that Government may specify in this behalf.

> [F.No. 341/23/94-TRU] RAJIV SHARMA, Under Secy.

ग्रधियनना

नई दिल्ली, 13 हलाई, 1991

गं 149/94 -शीमाण≅क

578(ध) --केन्द्रीय सरकार, सीमाणुरक द्याधिनियन, 1962 (1962 का 52) की भारी 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त णक्तियों का प्रयंग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ेमा करना प्रवायक है, इससे उपायब सारणी के स्वस्थ (2) में विनिधिन्द वर्णन के और सीमाणल्क टैरिफ ग्रिधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अंतर्गत आने वाले माल (जिले इसमें इसके पण्चात् उसत माल कहा गया है) को उक्त अनुसूची के अधीन उस पर उद्धहणीय समस्त सीमाणत्क से और दिवं य विशव ग्रिथिनियम की धारा 3 के श्रधीन उस पर उड्ग्रहणीय समस्त प्रतिस्तिन शत्क से सारणी के स्तम्भ (3) में की तरस्थानी प्रविष्टि में ग्रधिकथित गर्नों के स्रधोन रहते हुए छट देनी है।

सारणी

माल का वर्णन (2)(3)

ा. चंगेंज कम और टाफी

- (i) उक्त माल भारतीय वल को भारत से बाहर किसी खेल प्रतियोगिता में उसके भाग लेने पर प्रदान किया गया है और ग्रिधिकुत खेल संगम के पास रखे जाने के लिए उनके क्षारा भारत में लाया जाता है।
- (ii) सीमाभल्क महायक कलक्टर का यह समाधान हो गया है कि दल खेलकद प्रतियोगितः में भाग लेने के विशिष्टि प्रयोजन से निदेश गया था; और
- (iii) ऐसा त्यक्ति ओ चैलेंज कप या ट्राफी चायान कर रहा है और ऐसा खेल संगम जिसके पास यह रखा जाएगा, यह बचन वेता है कि उनन चैलेंज कप या दाफी खल संगम द्वारा रखा जाएगा तथा पुनः निर्यात के सिवाय पश्चातवर्ती जब ऐसा पून: निर्यात खेल-प्रतियोगिता में भागीदारी के लिए एक गर्न हो, किमी भी रीति में उसका व्ययन नहीं किया जाएगा।

2. मंडल और दाफी

- (i) उक्स माल भारतीय दल के सदस्यों की भारत से बाहर अन्तर्राष्ट्रीय खेल प्रति-योगिता या स्वर्धा में उनकी भागीदारी के लिए प्रदान किया गया है; और
- (ii) सीमाणल्क सहायक कलक्टर का यह रामाधान हो गया 🍍 कि ऐसा 🖼 अहल और ट्राफियां साधारण उपयोग की वस्त् नहीं है।

3. भारतीय दल के किसी सबस्य द्वारा जीता गया प्रस्कार

- (i) वल ने किसी खेलकद या की डा के संबंध में किसी भ्रन्तर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता या स्पर्धा में भारत सरकार के यवा कार्य और खेल विभाग के प्रन-मोदन से भाग लिया है।
- (ii) धायानकर्ता. निकासी के समय भारत सरकार के युवा कार्य और खेल विभाग के उपस्चित से भ्रानिस्त पंकित के किसी

(3) (2)(1)

> म्रसिकारी का इस स्राशय का प्रमाणपत प्रस्तुतकरना है कि --

- (क) भ्रायातकर्ता ऐसे भारतीय दल का सदस्य है जिसने भारत सरकार के श्रन्मोदन से किसी खेल या कीड़ा के संबंध में घन्तर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिना या प्रतिस्पर्धा में भाग निया है और ऐसी खेल प्रतियोगिता या प्रतिस्पर्धा में पुरस्कार जीता है; और
- (ख) उक्त पुरस्कार की घोषणा प्रकात् खल प्रतियोगिना या प्रतिस्पर्धा के भाषोजकों द्वारा ऐसी खेल-प्रतियोगिना या प्रतिस्पर्धा के होने मे पूर्व की जा चकी है; और
- (iii) भाय।सकर्ता, आयात किए जाने के समय और स्थान पर गीमाशास्क सहायक कलक्टर को 🕽 इस प्राश्य का दचन देता है कि उक्त माल उसके कब्जे, नियंत्रण और उपयोग में बना रनेगा आंग उसका प्राप्तत किए जाने की नारीख से पांच वर्ष की प्रविधि तक उसका विकय नहीं किया जाएगा या उसे विलग नहीं किया जाएगा।

[फा. सं 341/23/94-टी. **मा**र य**.**] राजीव णर्मा प्रवर मचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th July 1994 No. 149/94-CUSTOMS

G.S.R. 578(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods (hereinafter referred to as the said goods) of the description specified in column (2) of the Table hereto annexed and falling within the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), from the whole of the duty of customs leviable thereon under the said Schedule and from the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the second mentioned Act subject to the conditions laid down in the corresponding entry in column (3) thereof.

TABLE

S. Description of Conditions No. goods **(**1) (2) (3)

trophies

1. Challenge cups and (i) The said goods are awarded to Indian teams in connection with their participation in a tournament outside India and are brought by them in to India for being kept with Official Sports Associations:

1)

14		THE GAZETTE OF IN
	(2)	(3)
		 (ii) The Assistant Collector of Customs is satisfied that the team proceeded abroad with the speci- fic purpose of participating in the tournament; and
		(iii) the person importing the Challenge Cup or Trophy, as well as the sports association by whom it will be retained, gives an undertaking that the said Challenge cup or trophy shall be

ment.

- 2. Medals and trophies
- (i) The said goods have been awarded to members of Indian teams connection with their participation in international tournaments or competitions outside India; and

retained by the sports association, and shall not be disposed

of in any manner, save that of subsequent re-export when such

re-export is one of the conditions

of participation in the tourna-

- (ii) the Assistant Collector of Customs is satisfied that such medals and trophies do not constitute an article of general utility.
- 3. Prizes won by any member of an Indian team
- (i) The team has participated with the approval of the Government of India in the Department of Youth Affairs and Sports in any international tournament or competition in relation to any sports or games;
- (ii) the importer, at the time of clearance, produces a certificate from an officer not below the rank of Deputy Secretary to the Government of India in the Department of Youth Affairs and Sports to the effect that,-
 - (a) the importer is a member of an Indian team which participated, with the approval of the Government of India, in an international tournament or competition in relation to any sports or games and has won the prize in such tournament or competition; and
 - (b) the said prize has been announced in advance, that is to say, before such tournament or competition has been held, by the organisers of such tournament or competition; and
- (iii) the importer gives an undertaking to the Assistant Collector of Customs, at the time and plac: of importation, to the effect

(2)

that the said goods shall remain in his possession, control and use and shall not be sold or parted with for a period of five years from the date of importation.

(3)

[F.No. 341/23/94---TRU] RAJIV SHARMA, Under Secy.

ग्रधिसूचना

नई विल्लो, 13 जुलाई, 1994

मं. 150/94 मीमाशुल्क

सा. का. नि. 579 (ग्र):-- केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क ग्रधि-नियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) **इ**.स प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना प्रावश्यक है, इससे उपावत सारणी के स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट वर्णन के और सीमास्त्क टैरिफ मधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली ग्रनसुची के अंतर्गत ग्राने वाले माल को (जिल्हें इस*नें* इसके पण्चात उक्त माल कहा गया है), जब उनका भारत में प्रायात किया जाए, उक्त अनुसूची के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय संपूर्ण सीमाशुस्क से और द्वितीय उल्लिखित प्रधिनियम की धारा 3 के प्रधीन उन पर उद्-ग्रहणीय संपूर्ण प्रतिरिक्त शस्क से, उसके स्तंभ (3) का तरस्थानी प्रविध्टि में प्रधिकथित शर्तों के प्रधीन रहते हुए, छुट देती है।

सारणी

श₹ माल का वर्णन (2) (3)

- 1. पदक और ग्रमकरण (जिनके अनर्गत पदक रिवन भी हैं)
- माल का भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय द्वारा सीधे प्रायात किया गया है।
- 2. भारतीय नौसैतिक, सैनिक या वाय सेना के साथ या भारतीय नौसेना के साथ भारत के बाहर कर्तन्यारूढ़ व्यक्तियों की वैयक्तिक चीज बस्त
- (1) उक्त भ्रायानित माल उस की चीजबस्त ध्यक्ति जिसकी मृत्यु हो जाती है या जो घायल, गुम हो जाता है या जिसे यद्ध-कैवी के रुप में में ले जाया जाता है; और
- (2) उक्त माल का निकट संबंधी को परिवान के लिए द्यायात किया गया है।
- 3. भारतीय मौसेना के पोनों के निर्माण या उनमें लगाने के लिए घपेक्षित माल
- माल का भारत सरकार द्वारा या भारत सरकार द्वारा प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा भागात किया जाता है या उन्हें भारत सरकार के किसी विभाग के घावेश पर लावा जाता है या लवाई के समय ऐसे मादेश के मनुसार विनियोजित किया जाता है।
- 4. (i) नौह और मलौह धातुओं तथा मिश्रात् की कुंडलियां, पटिटयो, मीटें, छड़े, भलाकाएं, वहिंबेधन, तारे, नालियां और
- (i) ऐसे वाय्यानों का, जिनके अंतर्गत हेलीकॉप्टर भी हैं, विनिर्माण रक्षा मंत्रालय से मागपन्न पर हो तथा इस प्रकार

श्रधारिकक सामग्री, जैस

परस्पेक्स, प्लेक्सी कांच, कांच

फाइबर, रवड़ तथा प्लास्टिक, जो

विमान या वाय अंतरिक्ष विनि-

र्देगों के मन्रूप हो; और

(1)

(2) (1)

(3)

विनिमित बाय्यान, जिनके अंसर्गत हेलीकॉप्टर भो है, उस मत्रालय द्वारा विनियोगिन किए जाते हों;

- (ii) बायुयानों, जिनके अंतर्गत (ii) भ्रायातकर्ता, सीमागुल्क सहायक कलक्टर के समाधानप्रद रूप में हेलोकॉप्टर भी हैं, के विनिर्माण में उपयोग के लिए बाययान या उक्त माल को प्रलग-प्रलग भंडारित करने तथा हिसाब बाय अंतरिक्ष बिनिर्देशों के ग्रनु-रूप लीह और लौह मिश्रात की रखने के िलए **अज**नबंध करता है और विनिर्माण में ढाल-कर, स्टॉपित कर और पीटकर बनाई गई वस्तुएं। उत्पन्न सभी छीजनों पर पूर्णतः सीमाश्लक का संदाय करने के लिए सहमत हो, मानो उन्त छीजन उस रूप
 - ऐसे प्रकल्प में (iii) भाषातकर्ता, और ऐसी राणि के लिए, ओ सीमाशल्क सष्टायक कलक्टर क्षारा विहित की जाए, बंधपक्ष िनिष्पादन करके स्वयं क*े*। इस बात के लिए ग्राबद्ध करता है कि वह उक्त माल की ऐसी माक्षा की ৰাৰন সৌ सीमाम्-क सहायक के समाधानप्रद रूप में यह साबित नहीं होता है कि उसका पूर्वोक्त रीति में उपयोग किया गया है, मांग किए जाने पर उतनी रकम का संदाय करेगा जो इसमे अंतर्विष्ट छूट के न दिए जाने की दशा में उद्ग्रहणीय मह्क के बराबर है।

में भाषात किए गए हों;

स्पष्टीकरण

- (i) ''लोह धात् भी मीदे" से म्रभि-प्रेंत हैं किसी भी मोटाई के और यदि प्रायताकार रूप में हीं तो 500 मिलीमीटर से श्रधिक चौड़ाई, के बैल्लिन उत्पाद (जो 1.5 मिलीमीटर में श्रन्थन भोटाई, 500 मिलीमीटर से ग्राधिक चौड़ाई और प्रति ट्कड़ा 500 किलोग्राम से श्रन्यन भार के किसी श्रायताकार खंड के कडलित म्रधं-परिरूपित न न बैल्लित उत्पाद से मिन्न है); और
- (ii) 'लौह धान की पट्टियां" से भभिप्रेत है भायताकार खंडके कतित या अकतित किनारों वाले बैल्लित उत्पाद, जो ६ मिलीमीटर श्चनधिक मोटाई, 500 मिलीमीटर से प्रनिधक चौड़ाई और ऐसी बीमाएं के हों, जिनकी

(2)

(a)

मोटाई सीधी परिटयो, कंडलियों या चपटी कडालयों में चौड़ाई के दसवे भाग से श्रधिक न हो I

- 5. किसी मस्था द्वारा यद्ध समाधियों (i) भाषात करने के प्रनुरक्षण के लिए प्रायासित भाल ।
 - वासी का प्रधान, प्रत्येक मामले यह प्रमाणित करता है कि उक्त माल युद्ध समाधियों के भन्रक्षण के लिए प्राशियत है और उनका किसी ग्रन्य प्रयोजन के लिए उपयोग नहीं किया अध्गाः;
 - (ii) उक्त माल किसी विदेशी दाता से सद्भाविक दान है;
 - (iii) रक्षा मंत्रालय से यह प्रमाण-पक्ष प्रस्त्त किया जाता है कि माल केवल यद्ध ग्रायातित समाधियों के ग्रनुरक्षण के लिए श्रागयति है; और
 - (iv) 事件 प्रकार छट प्राप्त माल का विकय या त्रयसन नहीं किया जाएगा ।
- के श्रधीन किमी प्राधिकारी के समक्ष परीक्षण, प्रदर्शन या प्रशिक्षण के लिए प्रायातित माल।
- भारत गरकार के रक्षा मंत्रालय (i) भ्रायात करने के समय, प्रत्येक मामले में, रक्षा मंत्रालय मे अवर सोमाशब्क सहत्यक सचिव से कलस्टर के समन यह प्रमाणपत्र प्रम्तृत किया जाता है कि भायातित माल परीक्षण, प्रदर्शन या प्रशिक्षण के प्रयोजन के लिए हैं; और
 - (11) ऐसे माल का, उनके सिवाय जिनक बारे में रक्षा सक्षाला में भवर सचित्र द्वारा यह प्रमाणित किया जाता है कि उनका वास्तव मे परीक्षण, प्रदर्शन या प्रशिक्षण की प्रक्रिया उपयोग किया गया है, करने को तारीख मे ग्रायान छह मास श्रवधि की भीतर या ऐसी बहाई गई अवधि, जो सोम।शुल्क सहायक कल≄टर, प्रत्येक सामने में, भन्जात करे, के भीतर पन. निर्यात किया जाता है और इस प्रकार पुनः निर्वात करने मे भ्रमफल होने की दशा में, उद्ग्रहणीय ग्रन्त सदत किया जाएग(।

7 तटरक्षक पोनों के निर्माण या उनमें लगाने के लिए प्रपेक्षित वस्तुए,---

माल का भारत मरकार द्वारा या उस सरकार धारा प्राधिकृत किसा ध्यक्ति द्वारा आयात किया

- (1)(2)

(3)

किसी

गया है या उन्हें भारत सरकार

के समय ऐसे प्रादेश के प्रधीत

विनिΩोजित किया गया है।

विभाग के धादेश

लादा गया है और लवाई

- (i) मणीनरी, उपस्कर, मधटक और कच्चो सामग्री;
- (ii) अधिरिक्त पूर्जे और अनुरक्षण **के लिए जांच उपस्कर**, भाषातिस उपस्करों का आंब और टगुनियके लिए जाच उपस्कर ;
- (iii) भारतीय प्रदायकों हारा तटरक्षक कें प्रदास के लिए वेशी उपस्करों के विनिर्माण के लिए प्रयोक्षित पर्जे।
- 8- एघर इंडिया अंतर्राष्ट्रीय के भांडा- (i) प्रदाय, कलिएय विशेष कर्नेच्य-गारित माल से बने प्रदाय ।
 - भार के संबंध में भारत उपयोग के लिए भारतीय वाय सेना द्वारा प्रनर्शक्षित और **प्रचालि**त विनिर्दिष्ट थे। 737 के लिए बनाए गए व। 🐙 यानीं हो, और
 - (ii) कोई ऐसा श्रधिकारी, औ एग्रर वार्डम मार्शन की पक्ति में नीचे का न हो, प्रश्*धे*क मामले में यह प्रमाणित करता है कि उक्त भवाय मर्त (i) में विनिर्विष्ट प्रयोजनीं के लिए ग्रापेक्षित है।
- किसी भीडागार में पड़े हुए बंधित स्टाकों से ऋय किए गए भ्रायातित सामान ।
- (i) भाषातित साभान सरकार द्वारा नटरक्षक संगठन के किसी पोन के कमीदल के उपयोग के लिए उनकी सेवा गर्सी के ग्रनशार नि गुल्क प्रदाय किए जाने के लिए प्राथित है ;
- (ii) भ्रायातित सामान की बादा विहित प्रथम में पालपरिचयन-पत्न ध्रम्तृत किया गया हो;
- (iii) श्रायातित माम्पन ৰ্কী ইণ্ডল संदेय निर्कात गुल्क, शास्तिया, भाटक, व्याज और ग्रन्य प्रभार, सदस किए गए हों,
- (iv) तटरक्षक संबठन के किसी पोत के फलक पर ले जाने के लिए प्रायातित सामान की निकासी के लिए अ(दश समृचित प्रधिकारी द्वारा किया गया हो
- (v) उस प्रक्रियाका, जो सीमाश्हरक कलक्टर द्वारा इस निभिन्न विद्वित की जाए, भनुसरण किया जाता ₹ 1

[फा॰ सं॰ 341/23/94-टी॰मार॰ य.] राजाव समिति भवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th July, 1994

No. 150/94—CUSTOMS

G.S.R. 579(E).—In exercise of the powers contented by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods (hereinafter referred to as the said goods) of the description specified in column (2) of the Table hereto annexed and falling within the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India, from the whole of the duty of customs leviable thereon under the said Schedule and from the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the second mentioned Act subject to the conditions Inid down in the corresponding entry in column (3) thereof.

TABLE			
S. No. Description of goods	Conditions		
1 2	3		
Medals and decorations (including medal ribbons)	The goods have been imported direct by the Government of India in the Ministry of Defence.		
2. Personal effects of persons on duty out of India with Indian naval, military or air forces or with the Indian Navy	 (i) The said goods imported are the effects of a person who dies or is wounded, missing or taken prisoner of war; and (ii) the said goods have been imported for delivery to the next of kin. 		
3. Goods required for construction of, or fitment to, ships of Indian Navy	The goods are imported by the Government of tudia or by a person authorised by the Government of India or shipped on the order of a Department of the Government of India and appropriated to such order at the time		

of shipment.

- 4. (1) Coils, strips, sheets, rods, bars, extrusions wires, tubes of ferrous metals and non-ferrous metals and alloys and non-metallic materials such as perspex, plexi glass, glass fibre, rubber and plastic conforming to awcraft or aerospace specifications; and
 - Castings, stampings and forgings of ferrous and nonferrous alloys conforming to aircraft or aerospace specifications, for use in the manufacture of aircratts including helicopters
- (i) The manufacture of such aircraft including helicopters is against an indent from the Ministry of Defence and aircrafts including helicopters so manufactured are appropriated by Ministry:
- (ii) the importer undertakes to store the said goods sep wately and account for the same to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs and agrees to pay the duty of customs in full on all wastages arising out of the manufacture as if the said wastages were imported in that fortu:
- (iii) the importer, by execution of a bond in such form and for such sum as may be prescribed by the Assistan t

(1)

(2)

(3)

Collector of Customs, binds himself to pay on demand in respect of such quantity of the said goods, as is not proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to have been used in the aforesaid manner, an amount equal to the duty leviable but for the exemption contained herein.

Explanation:

- (i) "sheets of ferrous metal" means rolled products (other than coiled semi-finished hot rolled products, of a rectangular section, not less than than 1.5 millimetres thick, of a width exceeding 500 millimetres and of a weight of not less than 500 kilograms per piece) of any thickness and, if in rectangles, of a width exceeding 500 millimetres; and
- (ii) "strips of ferrous metal" means rolled products with sheared or unsheared edges, of rectangular section, of a thickness not exceeding 6 millimetres, of width not exceeding 500 millimetres and such dimensions that the thickness does not exceed one-tenth of the width, straight strips, coils OΓ flattened coils.
- 5. Goods imported by an institution for maintenance of war graves
- (i) The head of the importing institution certifies in each case that the said goods are intended for maintenance of war graves and will not be used for any other purpose;
- (ii) the said goods are bona fide gifts from a donor-abroad;
- (iii) a certificate is produced from the Ministry of Defence that the goods imported are inintended solely for maintenance of war graves; and
- (iv) the goods so exempted will not be sold or disposed of.
- 6. Goods imported for trial, demonstration or training before any authority under the Ministry of Defence in the Government of India.
- (i) A certificate from the Under Secretary in the Ministry of Defence is produced to the Assistant Collector of Customs, in each case, at the time of importation that the goods imported are for the purpose of trial, demonsstration or training; and
- (ii) such goods, except those whih are certified by the

(1)(2)____

- 7. Artilees required for construction of, or fitment to, ships of Coast Guard. -
 - (i) machinery, equipment, components and raw materials;
 - (ii) spares and test equipment for maintenance, testing and tuning of imported equipments:
- (iii) parts required for manufacture of indigenous equipments by Indian suppliers for supply to Coast Guard
- 3. Supplies made out of warehoused goods belonging to the Air-India International

9. Imported stores purchased out of bonded stocks lying in a warehouse

Under Secretary in the Ministry of Defence as having actually been consumed in the process of trial, demonstration or training are re-exported within a period of six months from the date of importation or within such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow in each case, and that in case of failure to so re-export, duly leviable shall be paid.

..._ ...(?)

The goods have been imported by the Government of India or by a person authorised by that Goverment or shipped on the order of a Department of the Government of India and appropriated under such order at the time of shipment.

- (i) The supplies are made to the specific two 737 aircrafts maintained and operated by the Indian Air Force for the use of the Government of India for certain special assignments; and
- (ii) an officer not below the rank of an Air Vice-Marshal certifics in each case that the said supplies are required for the purposes specified in condition (i).
- (i) The imported stores are intended to be supplied free by the Government for the use of the crew of a ship of the Coast Guard Organisation, in accordance with their conditions of service;
- (ii) a shipping bill has been presented in respect of the stores in the imported prescribed form;
- (iii) the export duties, penalties, rent, interest and other charges payable in respect of the imported stores have been paid:
- (iv) an order for clearance of the imported stores for taking on

(1)

(2)

(3)

board a ship of the Coast Guard Organisation has been made by the proper officer; and

(v) the procedure as may be prescribed by the Collector of Customs in this behalf is followed.

[F.No. 341/23/94 -- TRU]

RAJIV SHARMA, Under Secy.

श्रधिसूघना

नई दिल्ली, 13 ज्लाई, 1994

मं. 151/94-सीम∫गृत्क

मा.का.नि. 580(प्र).—केन्द्रीय रास्कार, सीमाण्यल्क प्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) की घारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहिल में एसा नरना प्रामण्यक है, इससे उपावदा सारणी के स्तम्म (2) में विनिर्विष्ट वर्णन के और सीमाण्ट्रक टैरिफ प्रधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अंतर्गत आने वाले माल (जिसे इसमें इसके पण्चात उक्त मान कहा गया है) को जब उसका भारत में प्रायात किया जाए उक्त प्रमुसूची में विनिर्विष्ट उस पर उद्यहणीय समस्त सीमाण्ट्रक से और दितीय वर्णित अधिनियम की द्वारा 3 के ध्रधीन उस पर उद्यहणीय समस्त ध्रतिरक्त ण्ट्रक से, सारणी के स्तम्म (3) में की तत्स्थानी प्रविष्ट में ध्रधिकिषत है सर्तों के यदि कोई हो, अधीन रहते हुए छूट देती है।

सारणी

ग्रास का वर्णन	शर्त
 (2)	(3)

- भारतीय विभान सेवा या भारतीय वायु सेना के वायुयान के टीकों में ईंधन
- (i) उक्त ईधन की माला ईंग्रन की उत्तनी ही माला के समान है जितनी कि यथास्थिति, उसी भारतीय विमान सेवा के या भारतीय वायु सेना, के वायुयानों के टैंकों में भारत से बाहर ने जाया गया था और जिम गर मीमा शुल्क या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क संदेत किया गया है,
- (ii) सथास्थिति, ऐसे धन पर
 उत्प्रहणीय सीमाणुरूक की दर
 (जिसमें उवन धारा 3 के अधीन
 उत्प्रहणीय अतिरियत शुल्क
 भी सिम्मलित है) या केन्द्रीय
 उत्पाद गुल्क की दर, ऐसे
 बायुयामों के आगमन और
 प्रस्थान के समय समान है,

(2)

(1)

(iii) ऐसे वासुयानों के भारत से
प्रस्थानों के समय ऐसे ईश्चन
पर, यथास्थिति, सीमा शुल्क
की वापसी या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क
में रिबेटे प्रनुज्ञान नहीं

किया गया था,

(3)

- 2. सीमाणुक्त टैरिफ प्रधितियम, 1975 की पहली अनुसूत्री के अध्याय 27 के अन्तर्गत आने थाला स्नेहक तेल श्रव भारत में रिजस्ट्रीकृत किसी बायुरान के या भारतीय बायुरोना के किसी यामुयान इंजन में भाषात किया गया हो
- भारत में प्रस्थान के समय ऐसे-बायुयान के इजनों में शुल्क संदत्त स्तेहफ तेल पर यथा स्थिति, सीमागल्क की बायस या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क में रिवेट ग्रम्जात नहीं किया गया था;
- स्पान्तिकरणः "स्तेह्क" तेल" से ऐसा
 किसी भी प्रकार का तेल
 अभिप्रेश हैं जिसका साधारण
 तीर पर स्तेह्क के लिए
 उपभोग किया जाता है, जिस मे
 किसी भी प्रकार का ऐसा
 लाइड्रोकार्धन तेल सम्मिलित
 नहीं है जिसका प्रकाश
 बिन्द 93.3° मैन्टीग्रेड हैं।
- संयुक्त धरक विमान सेवा द्वारा श्रामात किए गए माल--
 - (i) खानपान उपस्कर,
 - (ii) प्रतिरिक्त पुर्वे और रेंग ह्यालने बाले उपस्कर,
 - (iii) भू विद्युत एकक उपस्कर,
 - (iv) ऐसी अनुरक्षण और

 मरम्मत किए जिसे विमान

 शाला में उपयोग के लिए प्रस्तेक
 विमान में ले जामा जाएगा
 और जिन्हें उसी बायुयान से
 वापस लौटा दिया जाला
 है।
- (i) उक्त माल का उपयोग उक्त विमान सेवा द्वारा भारत हैं में नियमित विमान सेवा बनाए रखने लिए किया जाता है और
- (ii) उक्त माल सीमाणुल्क प्राधि-कारियों के पर्यवेक्षण और नियंत्रण के ग्रधीन रक्षा जाता है,

- 4 बाधुयान उपस्कर, इंजम और श्रतिरिक्त पूर्वे
- (i) उक्त माल झन्तर्राष्ट्रीय एयर इंडिया या भारतीय विमान द्वारा उपरोक्त विमान सेवा द्वारा वाययान में फिटमेंट के लिए भारत से बाहर विवेशी थिमान सेवा या मुख्य उपस्कर के विदेशी विनिर्माता मे उधार लिया है, भाषात किया जाता गया
- (ii) श्रायातकर्ता, श्रायात के समय यह श्रीयणा करता है कि उक्त माल का श्रायात फिटमेंट के लिए और पृतः नियति के लिए किया जा रहा है,
- (iii) अकत माल का भारत में ग्रामान किए जाने की तारी

[माग **[[--खण्ड-3**(i)] (3)(1)(2) से और गेसी $\tau_{\rm f}$ मास के भीतर बढार्या गई ग्रव[ध मीमागल्यः महायक जो श्रनशात करे, पुन. कलक्टर निर्यात कर दिया अनाही। (iv) म्रायातकर्ना, यथास्थिति विनि-विष्ट प्रवधि या शर्त विनिदिष्ट यत्रार्खाः ग्रवधि के भीतर का पून. निर्यात श्रमफल रहने की दशा उक्त मान पर, यदि टी गई। न उदग्रहणीय U. Car.

> (V) ब्रायातातती. पुनः निर्धात करने से पहले उक्त माल की पहचाने के लिए समृद्धित अधियाती के समक्ष प्रस्थत करता है।

रकम का संदाय करने के लिए

ৰা খ্ৰেড

एक बचनबन्ध निष्पायित

훉,

[फा.सं. 341/23/91-टी.आर.यू.] राजीव समी, अवर सम्बन

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th July, 1994 No. 151/94-CUSTOMS

G.S.R. 580 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods (hereinafter referred to as the said goods) of the description specified in column (2) of the Table hereto annexed and falling within the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India, from the whole of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said Schedule and from the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the second mentioned Act subject to the conditions, if any, laid down in the corresponding entry in column (3) thereof.

TABLE

Sl. Description of goods No.	Conditions
(1) (2)	(3)
1. Fuel in the tanks of the aircrafts of an Indian Airline or of the Indian Air Force	(i) The quantily of the said fuel is equal to the quantity of the same type of fuel which was taken out of India in the tanks of the aircrafts of the same Indian Airline or of the

(2)

(1)

Indian Air Force, as the case may be, and on which the duty of Customs, or Central Excise had been paid:

(3)

- (ii) the rate of duty of customs (including the additional duty leviable under the said section 3) or the rate of duty of Central Excise, as the case may be leviable on such fuel is the same at the time of the arrivals and departures of such aircrafts; and
- (iii) no drawback of duty of customs or rebate of duty of Central Excise, as the case may be, was allowed on such fuel at the time of departures of such aircrafts from India.
- 2. Lubricating oil falling within Chapter 27 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975, imported in the engines of any aircraft registered in India or of any aircraft of the Indian Air Force

No drawback of duty of customs or rebate of duty of Central Excise, as the case may be, was allowed on the duty paid lubricating oil in the engines of such aircraft at the time of its departure from India. Explanation: "lubricating oil" means any oil as is ordinarily used for lubrication, excluding any hydrocarbon oil which has its flash point below 93.3° centigrade.

- 3. Goods imported by the United Arab Airlines-
 - (i) Catering equipment;
 - (ii) spare parts and ramp handling equipment;
 - (iii) Ground Power Unit equipment;
 - (iv) maintenance and repair kits which will be carried on individual aircraft for use in hangers and which are flown back on the same aircraft
- Aircraft equipment, engines and spare parts
- (i) The said goods are used by the said Airlines for the maintenance of regular air service to India; and
 (ii) the said goods are kept under the supervision and control of Customs autho-

rities.

- (i) The said goods have been imported by the Air India International or the Indian Airlines having been borrowed by the aforesaid airlines for fitment to their aircraft from foreign airlines outside India or from the foreign manufacturers of the prime equipment;
- (ii) the importer makes a declaration at the time of

20 (1) (2) (iii) the said goods are re-(iv) the importer executes an

self to pay an amount equal to the duty leviable on the said goods, but for the exemption, in the event of failure to re-export the said goods within the period specified or, as the case may be, the

(3) import that the said goods are being imported for

fitment and re-export;

exported within one month

from the date of their

importation into India or such extended period as

the Assistant Collector

of Customs may allow;

undertaking binding him-

(v) the importer produces the said goods before the proper officer for identification before re-export.

extended period referred

to in condition (iii); and

[F. No. 341/23/94-TRU] RAJIV SHARMA, Under Secy.

द्यधिसुचना

नई दिल्ला, 13 जुलाई, 1994 ्म . 152/सीमाशुल्क

सा.का.नि 581 (प्र).--कोन्द्रीय सरकार, सीमागुरुक व्यधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रवन गिक्सियों का प्रयोग करते हुए यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना ग्रावश्यक है, इससे उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ (2) में विनिदिष्ट वर्णन के और सीमाशल्क टैरिफ ग्रधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली धनुसूची के अंगर्गत धान वाले माल की (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उपन माल कहा गया है), जब उनका मारत में भ्रायात किया जाए, उत्रत अनुसूर्च। में बिनिविध्ट उस पर उदप्रहणीय उतने सीमाभूतक से, जितना उक्त मारणी के स्तम्भ (3) की तरस्थानी प्रविष्टि में निर्निविष्ट दर में संगीणत रकम से ग्राधिक है बौर द्वितं।य उल्लिखित अधिनियम की धारा 3 के प्रधीन उन पर उदग्रहणीय. संपूर्ण अतिरिक्त शुल्क से, उसके स्तम्भ (4) की तहस्थानी प्रविदि में भ्रधिकथित सती के, यदि कोई हैं, ब्रधीन रहते हुए, छुट देवी है ।

सारगी

~ ऋमास.	- माल का वर्णन	 द्	मर्ल
(1)	(2)	(3)	(4)
	अघे. व्यक्तियो के भभी मूर्त गाबिन्न,	कोई नहीं	(i) उक्क माल का अधे आर बहुर व्यक्तियों के लिए किसी संस्था (जिसके अन्तर्गत रिजस्ट्रीक्ट्रय सहकारी मोसायटी भी है) द्वारा श्रायात किया गया है

- (1) (3)(4) (2)
- (ii) बहरे ध्यक्तियों की शिक्षा के लिए श्रवण सहाय और अन्य दुग्य श्रद्ध सहाय:
- (iii) अंधे और बहरे व्यक्तियों के लिए व्यवसायिक सहाय:
- (ii) उक्त माल ऐसी संस्था की सदभाविक दान हों, या ऐसी यस्था द्वारा विदेश में विदेशी संदानों से मुद्रा में प्राप्त कथ किए गए हां;
- (iii) जहां कोई ऐसी संस्था उक्त माल के प्रायात करने के पण्चात केवल कृत्य करना करने के लिए बहां उस प्रन<u>ु</u>सुचित ijΪ, वास **ग्र**(यातित के संबध माल में छड़ तब सक लागु नहीं होगी ज्य नक कि उग संस्था के ब्रध्यक्ष या भवित शास निवित बचनबंध स दिया जाए कि गंस्था माल तारीख छह मास की भवधिया बटाई गई ग्रवधि, जो सीम/शृल्क महायक निमित कलक्टर हस र्चाणस पर्याप्त हेनुक प्र धनुसात करे, करना प्रारंभ कत्य दगाः :
- (iv) अंधे और बहरे व्यक्तियों को प्रशिक्षण या शिक्षा देने के प्रयो-जन के लिए अपेक्षित वस्तुएं, जिनके अंतर्गत उपकरण यंत्र, साधव मगानरी और प्रतिस्कत पूर्जे या संघटक पूर्जेया उनके उप माधन है।
- 2. सभी वैज्ञानिक और कोई नही तकनीकी उपकरण, यंद्र और उपस्कर, जिनके अंतर्गं त श्रांतरिक्त पूर्जे, कम्प्यटर माफ्टवेयर, मंघटक पूर्जे, और कन्पैकट डिस्क-रेड, कवल उनके उपसाधन तथा भैगोरी (मोडी आर औं एम) है, किन्स् इनके अयर्गत खपने बाली मदे नही

हैं।

- (iv) जहां ज्यान माल विदेश में विदेशी मुद्रा में प्राप्त संदानों से ऋय किए गए है, बहां संस्था की बिदेशो म मंदान की गई निधियां प्राप्त करने के प्रयोजन के लिए भारतीय रिजर्व बैक हारा विदेश में लेखा रखने क लिए धनुशास गया हो।
- (i) माल का किसी अस्पताल स भिन्न किसी अनुसंधान सस्था द्वारा प्रामात किया गया हों;
- (ii) श्रन्मंधान संस्था किसी ्रेने प्रधिकारी स जो ग प्रशासनिक सबज्ञ मंदालय म मिचत्र कः पंक्ति में नीचे कान हो। सीमाणस्क सहा-यक कलक्टर का इस भागय का एक प्रभागपान दना है कि--
- (क) ऐसे मध्यका, जिनको बायत छुई का दाना किया गया

 $(1) \qquad (2) \qquad (3)$

3. शिक्षा सबैधी सामग्री कॉर्ड नही

म ध्वन्यंकित जीडियो

केरोट और बीडिया टेप

(4)

(1) (2)

(3)

कोई नही

(4)

- भायात **भनुसंधान** के थिए श्रावण्यक है; ऑर
- (ख) श्रायातित माल का
 उक्त संस्था द्वारा
 केवल ऐसे प्रयाजनी
 के लिए उपयोग
 किया जाएगा और
 उक्त संस्था किसी
 वाणिज्यिक क्त्रियाकनाप
 में नहीं लगी दुई है।
- (i) अक्न माल का विषय-त्रियालय अनुदान आयोग ज्ञारा बाबात किया गया हो;
- (11) यादातकतां, निकासी के यभय, किसी ऐसे प्रधि-कारी से, जो भारत सर-कार के शिक्षा मंत्रालय में उप-राचिव की पंक्ति स नीचेका नही, इस आशय का एक प्रमाणपक प्रस्तान करता है कि ऐसे कैसेट ऑर विद्यि वीडियो टेप शिक्षा संबधी सामग्री से ध्वन्यंकित ह और उस मंत्रालय द्वारा भनुमोदित शिक्षा संबंधी काय भग के लिए द्रवर्णन के माध्यम प्रसारण करने के लिए यपेक्षित है तथा सम-रूप प्रकृति के कार्यवस मारत में निर्मित नहां किए जाते हैं ;
- (iii) भ्रायातकर्ता, निकासी के समय और रथान में, सीमाशल्क सहायक कलक्टर को एक यचनबंद देता है कि एसे विडिशो कैसेटों और विडियो टेपों का किसी धन्य प्रयोजन क लिए उपयोग नहीं किया बाद म जाएका तथा ऐसे कैरोटों और देशो कोई ग्रन्थ सामग्री ध्वन्यकितः नहा जाएगी । और
- (iv) ऐंग प्रिडियो कैस ट और विडियो टेप, भाषात के पत्तन पर, सोमाण्टक सहायक कलक्टर की पूर्व प्रमुक्ता के बिना बिक्रय या भ्रलग नहीं कि जायेंगे।

- 4. विश्वविद्यालय या उच्चतर या उच्च तक्तिकी शिक्षा संबंधी कार्यश्रम में ध्वन्यंकित और किसी विश्ववि-सालय या श्रनुसंघान संस्था द्वारा श्रायातित विद्यों केंस्ट और विद्यों देवा।
- (i) ग्रायातकर्ता, निकासी के समय और स्थान मे उम मंगठन में, जिसने उक्त विडियो कैसेटों और विधियो टेपों में कार्यक्रम ध्वनसंकित किया है, इस याशय का एक पनाण-पन प्रस्तुत करता है कि उसमें विण्यविद्यासय या उच्चतर या उच्च सकतीकी शिक्षा संबंधी कार्यक्रम ध्वन्यंकित **किया ग**या है, और यांद आयातकर्ता से ऐसा करने को भ्रमेक्षा की जाए तो पद्द भी सीमाश∻क कलक्टर का गहायक समाधान करेगा कि, यथा-ऐसं विडियो रियति, केंसटो या विडियो टेपो में एमा तकतीकी शिक्षा मदंबी कार्यक्रम अभ-কিতে है;
- (ii) विश्वविद्यालय को दशा

 में प्रायानकर्ती निकासी

 के भमय और स्थान में,
 विश्वविद्यालय के प्रधान

 में इस प्रागय का एक
 प्रमाण-पन्न प्रस्तुत करना

 ह कि रैंसे विडियो कैसेट
 और बीडियो टेप उस

 विश्वविद्यालय द्वारा तकनीकी

 शिक्षा संबंधी प्रयोजनी

 के संबंध में उपयोग के

 लिए प्रयोजन हैं;
- (iii) (सरकार द्वारा स्था-पित, पोपित या नियंत्रित पनुसधान संस्था स (भन्न) यनुसंधान संस्था की दणा म, श्रायातकर्ता निकासी के समय और स्थान में. और किसी ऐसे प्रधिकारी से. णिक्षा मंत्रालय में या उक्त भनुसंधान नंस्थाः से प्रशासनिक भग से संबद्ध मंदालय मे उप सचित्र की पंक्ति स र्नीचे की न हा ६स प्रशिच का एक प्रभाण-पत्न भरत्त करमा है कि उक्त र्नेमेट और टेप उस अस्-संदान संस्था म / तकनीकी मिक्षा संबर्धा प्रयोजनाके सबध में उपयोग के लिए यपंक्षित है;

(4)

(1)

(3) (4)(1) (2)

- (iv) प्रायातकला. निकासी समय और स्थान में, सीमाशक सहायक कलक्टर कोइस ग्राधय का एक वचनवंध देता ऐसे विश्वियो कैसेटों श्रिक्षियो टेपों का⊷⊸
 - के (क) ग्रामान पसन पर सीमाणस्य कलक्टर की पूर्व धन्जा के बिना विकय या उन्हें भ्रलग नहीं किया जाएगा.
 - (ख) तकनीकी णिक्षा प्रयोजनी के प्रयोजनी फन्हीं उपयोग किया जाएगा, और
 - (ग) बाद में. उनमें कोई भ्रान्य सामग्री ध्वन्यं-कित नहीं की जाएगी।
- मुख्य के 25 5. वैज्ञानिक और तक-नीकी उपकरण, मंद्र और उपस्कर, जिनके अंतर्गत ग्रतिरिक्त पुर्जे और उनके संघटक पूर्जे हैं, किन्तू उनके अंतर्गत उनके लिए भ्रपेक्षित खपने वाली मद्दें नहीं है, जिन्का भाषात मैसर्स हिन्द्स्तान एरोनाटिक्स लिमिटेड द्वारा रक्षा परियोजनाओं से संबंधित प्रनसंधान प्रयोजनों के लिये किया गया है।

प्रतिगत

कोई नहीं

ऐसा श्राधिकारी, जी रक्षा मंत्रालय के रक्षा उत्पादन विभाग में संयुक्त सन्दिव की पंक्ति से नीच कान हों, प्रत्येक मामले में, यह प्रमाणित करता है कि ऐस माल का, जिनकी बाबत छट का दावा किया गया है, श्रायात उक्त धनुसंधान प्रयोजनों के लिए ग्रावश्यक है और ऐसे भायातित माल का उपयोग केवल उक्त श्रनसंधात प्रयोजनों के लिए किया जाएगा तथा ऐसा प्रमाण-पत्न भाषातकर्ता द्वारा. निकासी के समक्ष, सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर के समक्ष प्रस्तुत िक्षया जाता है।

6 निर्म्नालिश्वित माल : (क) खुल समुद्र में भ्रत्मधान में लगे जनयानीं के फलक पर ले जाने थाले उपस्कर; और (ख) ऐसे जलयानी द्वारा खुले समृद्र में मंग्र-

र्हात बहु**र्यात्म**क

पिण्ड (नोइसु**ल**)

क्रायातकर्ता, निकासी के ऑर में. कि.सी स्थान ऐसे प्रधिकारी सरकार के सम्ब भारत विकास विभाग में संयक्त सचिय की पंक्ति से नीने का नहीं, इस श्रायय का एक प्रमाणपत्न प्रस्तृत करता है कि अल्यान भारत सरकार भाग ग्स श्रमुसंधान या संग्रहण कार्यके लिए प्राधिकृत है।

7. खपने वाले माल और कोई नहीं श्रतिरिक्त पूर्जे।

(2)

(3)

- (i) उक्त माल वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग में रजिस्टीकृत किसी अन्-मं धान मं स्था द्वारा इसमें इसके पश्चात (जिसे मंस्या कहा गया ੜੇ) श्रामात किए गए हों और श्रनुसंधान के प्रयोजनीं के लिए अपेक्षित हों:
- (ii) आयात करने माल का मंग्या, उपत ब्रायात करने के पूर्व, उस पत्तन पर, जहां उन्त माल का स्रायात किया जाता है. अधिकारी ममचित लिखिस रूप में रजिस्टीकरण के लिए द्याखेटन करेगी ;
- (iiii) संस्था का प्रधान प्रत्येक मामले भह प्रमाणित करता है कि--
- (क) यह किसी वाणिधियक क्रियकलाप में नहीं लगी **₹**;
 - (ख) उक्त माल का. जिनकी इसम बाबन अं तिविष्ट छट दावा किया गया है, किसी मस्य वर्ष म बीस र्वये से अधिक नहीं होगा ;
 - (ग) उक्त माल क्य संस्था द्वारा मीधे किया जाता है है; और
- (iv) संस्था, ग्रायात करने के ऐसी ग्रवधि यमध या ने भीसर जो सीमामुल्क महायक कलक्टर, प्रत्येक मामने में, ग्रनुज्ञात ijŢ श्रधिकारी से और द्रोबो-जो विज्ञान में पा गिकी मं ज्ञाल ग य स्था प्रणासनिक स म्य में संबद्ध मंत्रालय या में उप-मित्रव की विभाग पक्षि संसीचे कानहो. उत्त प्राणय का एक प्रमाण-प्रस्तुत करता

(1)(2) (3)

(4)

(1)

eranderen bereit bereit bereiten ber (2)

(3)

(4)

मास्त्र, जिनकी छुटका दावा किया है, ऐसे हैं जिनकी मंस्याके श्रनुसंधान **क्रियाकलाप** में श्रपेक्षा है. वाणिज्यिक किसी संस्था **क्रियाक**लाप में नहीं परी और प्रत्येक मामने मे देने की *सिफारि*श करती है।

- 8 किसी लोक निधिबद्ध घन्सधान संस्था या विश्वविद्यालय द्वारा भ्रायातिल स्वपने वाले माल ।
- कोई नहीं (i) श्रायातकर्ता, निकामी समय और बदाई महायक कलक्टर के समक्ष इस भ्राणय सम् प्रमाणपत्न हे भिः खुद का ऐसे आयातकर्ता के वाणिष्यिक क्रियाकलाप नहीं लगः हुआ तथा इसमें की सिकारिश देने करने वाला और ऐसा

प्रमाणपत्त---

- अंतरिक्ष विभाग. परमाण कर्जा विभाग या रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग के प्रशासनिक *सियं त्र*ण के अधीन वाली लोक নিগ্রিবর अनुसंधान संस्था की वशा ऐसे अधिकारी से, जो आयातकर्ता में प्रशास-निकः म्ब्प में संबद्ध विभाग में उप सजिब की पंक्ति से नीचे का न हो ;
- मञ्ज सरकार विज्ञान और प्रौद्योगिकी

स्थान में, या गई श्रवधि के भीतर, जो सीमाशृहक यन्त्रात करे। उक्त सहायक कलवटर प्रस्तुन म्ब्रपने वाले माल, जिनकी बा**यत** इस*ने* दावा किया गया जिनकी श्रन्मंधान त्रियाकलाप के लिए ग्रपेक्षा है और अधासकर्ता किसी अंतर्विष्ट

- (क) भारत सरकार के
- (ग्र) मन्य लौक निधि-अन्संधान संस्था दशा में, किसी ऐसे प्रक्षिकारी से, जो

विभाग मे उस मचिव की पॅक्ति से नीचे का न हो : और

(ग) किसी विश्वविद्यालय की Ĥ, किमी ऐस भ्र<u>धिका</u>री जो विभाग में शिक्षा उप सचिव की पंक्ति नीचे का नहीं।

उपाप्त किया जाना ^१है; और

- (ii) यथास्थिति, श्रायान करने वाली संस्थः या विश्व-विधानम का प्रधान, प्रश्येक म।मले में, यह प्रमाणित फरता है कि खपने बाले माल का, जिनकी बाबन इसमें छूट का दावा किया È, गया उपयोग क्षेत्रल धन्संधान के प्रयोजनी के लिए किया जाएगा और उन्हें किसी श्रन्य उपस्ति अंतरित नहीं किया जाएगा ।
- 9 वैशानिक और भौद्यो-कोई नहीं गिक जीव रसायन यनुसंधान केन्द्र गरिषद द्वारा भाषातित जाने वाले माल ।

भायाक्षकर्ता, ब्रायात करने के समय, वैज्ञानिक भीर जीव रसायन श्रीयोगिक अनुसंधान केन्द्र परिषद के निदेशक से सीमाणुल्क सहायक कलक्टर के समक्ष ভৰন माल का वर्णन, मात्रा **फ्रीर मृ**ल्य उप-ব যিনে करते हुए एक प्रमाणप स प्रस्तुत करला है और ऐसे माल अनु-संबान के प्रयोगन के लिए निधिवत्र ला क संधान **भस्यात्रां** विष्वविधालयों द्वाः। उपयोग के लिए आर्गाभ= है।

स्एटोकरण--इस प्रतिस्वना के प्रयोजनी के लिए,

- (त) "प्रधान" पद्य से निस्न-लिखिम ग्रिमिनेन है-
- (i) विभवविद्यालय के संबंध में, उनका रजिस्ट्रार (चाहे निभीर्मा नाम में ज्ञात हो):

randa and a design and the second an

(1) (2)
(ii) महाविद्यालय के संबंध में, उसका पाचार (चाहे किमी मी जात हो।);

(3)

- (iii) संस्था के संबंध में, उसका निश्चमा (चाहे किसी मी नाम से जात हैं।)
- (ख) "विश्वविद्यालय" में अभिन्नेत हैं किसी केन्द्रीय, राज्य या शांतीय अधि-नियम द्वारा स्वापित सा उसके अञ्जान निगमित विश्वविद्यालय और इसके अंतरीत निम्नालिखन हैं-
- (i) विश्वविद्यालयं सनुदान आयंत्र श्रविनियम, 1956 (1956 का 3) की साथ 3 के श्रवीन उम मंदिर नियम के प्रयोजनों के लिए निध्यविद्यालय के रम में थें कित कोई संस्या;
 - (ii) मंत्रद की विधि द्वारा राष्ट्रीय महत्व की संस्था के रूप में भीषत कोई संस्था.
 - (iii) फिसी विश्वविद्यालय हारा घोषित वा उससे संबद्ध कोई महाविधालय,
 - (iv) सरकार द्वारा स्थापित, शंकित या नियंत्रित कीई अनुसंवान संस्थान ।
- (ग) "लोक निधिव द अनुग्रंधान संस्था" से प्राधिन्नते हैं एसी अनुसंधान संस्था,
 जिसके मामले में आवर्ती
 व्यय के पचास प्रतिशत
 ने अन्यन की पूर्वित केन्द्रीण
 मरकार या किसी राज्य
 नी सरकार या किसी
 मंग राज्य की जानी है।
- (प) अमे मं. 2 में आने वाल "अस्वताल" के अंत-गेंस कोई ऐसी। मंस्था, केन्द्र त्यास, मंसामटी, गंगम प्रयोगशाला, क्लिनिक, प्रसृति गृह है, जो निकित्सा, शब्दाचिकत्या या दैवानिक प्रयाग करना है।

MINISTRY OF IMANCE (Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th July, 1994 No. 152/94—CUSTOMS

G.S.R 581(E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods (hereinafter referred to as the said goods) of the discription specified in column (2) of the Table hereto annexed and falling within the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India, from so much of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said Schedule, as is in excess of the amount calculated at the rate specified in the corresponding entry in column(3) of the said Table and from the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the second mentioned Act subject to the conditions, if any, laid down in corresponding entry in column (4) thereof.

TABLE

	Description of goods	Rate	Conditions	
(1)	(2)	(3)	(4)	

1. (i) All tangible Nil appliances for the blind: (ii) Hearing aids and other audiovisual aids for the education of the deaf: (iii) Vocational aids for the blind and the deaf: (iv) Articles including instruments, apparatus, appliances, machinery and spares or component parts or accessories thereof required

for the purpose of

giving training or

imparting instructions

to the blind and the

deaf.

- (i) The said goods
 have been imported
 by any institution
 (including a registered
 Co-operative Society
 for the blind and the deaf;
- (ii) the said goods are bona fide gifts to, or purchased out of donations received abroad in foreign exchange by, such institution;
- (ii) where any such institution is scheduled to begin to function only after the importation of the said goods, the exemption shall not apply i respect of the goods imported by that institution, unless an undertaking in writing is given by the President or the Secretary of that Institution that it will begin to function within a period of six months, or such extended period as the Assistant Collector of Customs may, on sufficient cause being shown, allow in this behalf, from the date of importation of the goods;

कि.सं. 34/23/94-टी,धार.यू.] शुक्रीय शर्मा अवर समिथ (1) (2)

(3)

(4)

(1)

(2)

(3)

(4)

- (iv) where the said goods have been purchased out of donations received abroad in foreign exchange the institution has been permitted to maintain an account abroad by the Reserve Bank of India for the purpose of receiving funds donated overseas.
- 2. All scientific and technical instruments, apparatus and equipments, including spare parts, computer software, component parts, and Compact Disc-Read Only accessories thereof and Memory (CD-ROM), but excluding consumable items

3. Video cassettes and Nil

ded with educational

video tapes recor-

materials

- (i) The goods have been imported by a researchinstitution other than a hospital;
- (ii) the research institution furnishes a certificate to the Assistant Collector of Customs from an officer not below the rank of an Under Secretary in the Ministry administratively concerned with the said institution to the effect that-(a) import of the goods in respect of which the exemption is claimed is essential for research, and
- (b) the imported goods shall be used only for such purposes by the said Institution and the said Institution is not engaged in any commercial activity.
- (i) The said goods have been imported by the University Grants Commission;
- (ii) the importer, at the time of clearance, produces a certificate from an officer not below the rank of a Deputy Secretary in the Ministry of Education, Government of India, to the effect that such video cassettes and video tapes are recorded with educational material and are required for educational programmes approved by that Ministry or for telecast through Doordarshan and that the

4. Video cassettes and video tapes, recorded with University or higher or advanced technical educational programme and impoer-

ted by a University

or a research

institution.

Nil

- programmes of similar nature are not produced in India;
- (iii) the importer, at the time and place of clearance, gives an undertaking to Assistant Collector of Customs to the effect that such video cassettes and video tapes shall not be used for any other purpose and such video cassettes and tapes shall not be subsequently recorded with any other material: and
- (iv) such video cassettes and video tapes shall not be sold or parted with without the prior permission of the Assistant Collector of Customs at the port of importation.
- (i) The importer produces, at the time and place of clearance, a certificate, from the organisation which has recorded the programme on the said video cassettes and video tapes, to the effect that the same are recorded with the University or higher or advanced technical educational programme, and the importer, if required to do so, also satisfies the Assistant Collector of Customs that such video cassettes or video tapes, as the case may be, contain such technical educational programme;
- ii) in the case of a University, the importer produces, at the time and place of clearance, a certificacate from the Head of the University, to the effect that such video cassettes and video tapes are required for use for

26 THE GAZETTE OF INDIA: EXTRAORDINARY PART II—SEC. 3(1) (4) (1) (3) (4) (1) (2) (3) (2) which exemption is therefor and imported technical educational by M/s Hindustan claimed is essential purposes by that for the said research Aeronautics Limited University: for the research purposes and that (iii) in the case of such imported goods purposes connected research institution shall be used only with defence projects. (other than research for the said research institution establipurposes, and such shed, maintained or certificate is produced controlled by the by the importer to the Government). Assistant Collectorof Importer r oduces, Customs at the time at the time and place of clearance. of clearance, a certificate, from an officer 6. The following goods: Nil The importer, at the not below the rank (a) equipments carried time and place of of a Deputy on board vessels clearance, produces a Secretary in the certificate to the engaged in research Ministry of Education on high seas; and Assistant Collector or in the Ministry (b) polymetallic of Customs, from an administratively connodules collected officer not below the by such vessels on rank of Joint cerned with the said high sea. Secretary to the research institution. to the effect that the Government of India in the Departsaid cassettes and ment of Ocean Detapes are required for velopment to the use for technical effect that the educational purposes vessel is authorised in that research by the Government institution: of India for such (iv) the importer, at research or collection the time and place of work. clearance, gives an undertaking to the 7. Consumable goods Nil (i) The said goods Assistant Collector and spare parts have been imported by any Research of Customs to the Institution (hereinaeffect that such video after referred to as the cassettes and video institution) registered ta neswith the Department (a) shall not be sold of Scientific and Inor parted with dustrial Research without prior per-(DSIR) and mission of the required for the Assistant Collector of purpose of research; Customs at the port (ii) the importing instiof importation. tution, before the (b) shall not be used importation of the for any purposes said goods shall apply other than the purpofor registration poses of technical in writing to the education, and proper officer at the port where the said (c) shall not be subsegoods are to be quently recorded imported; with any other material. (iii) the Head of the institution certifies in 5. Scientific and 25% An officer not below

technical instruad ments, apparatus valorem and equipments, including spare parts and component parts thereof, but expluding consumable Items required

the rank of a Joint Secretary in the Department of Defence Production. Ministry of Defence, certifies in each case that the import of goods in respect of

- each case ~
- (a) that it is not engaged in any commercial activity;
- (b) that the value of sald goods in respect of which the exemption contained here-

2

in is claimed shall not exceed Rupees Twenty lakhs in a financial year;

- (c) that the said goods are imported directly by the institution; and
- (iv) the institution, at the time of importation or within such period as the Assistant Collector of Customs may allow in each case, produces a certificate from an officer not below the rank of a Deputy Secretary in the Ministry of Science and Technology or in the Ministry or Department adminisconcerned tratively with the institution to the effect that the goods in respect to which the exemption is claimed are such as are required in the research activity of the said institution. that the Institution is not engaged in any commercial activity and recommends the grants of the exemption in each case.
- 8. Consumable goods imported by a public funded research institution or a University
- (i) The importer, at the time and place of clearance, or within such extended period as the Asistant Collector of Customs may allow, produces a certificate to the said Assistant Collector to the effect that the consumable goods in respect of which the exemption is claimed herein are such as are required for the research activity of the importer and the importer is not engaged in Any commercial acitivity and recommending the grant of exemption contained herein and such certificate is procured from,--
- (a) in the case of a public funded re-

search institution under the administrative control of the Department Space, the Department of Atomic Energy or the D parement of Defence Research and Development of the Government of India an officer not below the rank of Deputy Secretary in Department the administratively concerned with the

(b) in the case of other Public funded research istitutions, an officer not below the rank of a Deputy Secretary to the Government of India in the Department of Science and Technology, and

importer:

- (c) in the case of a University an officer not below the rank of a Deputy Secretary to the Government of India in the Department of Education; and
- (ii) the Head of the importing institution or University, as the case may be, certifies in each case that the consumable goods in respect of which exemption is claimed herein shall be used only for the purposes of research and shall not be transferred to any other person.
- Consumable goods Nil imported by the Council of Scien.ific and Industrial Research Centre for **Biochemicals**

The importer produces to the Assistant Collector of Customs at the time of importation, a certificate from the Director, Council of Scientific and Industrial Research Centre for Biochemicals, indicating the description, quantity and value of the said goods and that such goods are intended for use by public funded research institutions or universities for purpose of the research.

Explanation: -- For the purposes of this notification, the expression-

- (a) "Head" means,-
 - (i) in relation to a University, Registrar thereof (by whatever name called),

Nil.

- (ii) in relation to a College, Principal thereof, (by whatever name called).,
- (ili) in relation to an institution, Director thereof (by whatever name called),
- (b) "University" means a University established or incorporated by or under a Central, State or Provincial Act and includes-
 - (i) an institution declared under section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 (3 of 1956), to be a University for the purposes of that Act,
 - (ii) an Institution declared by Parliament by law to be an institution of national importance,
 - (iii) a College maintained by, or affiliated to a university,
 - (iv) a research institution established, maintained or controlled by Government,
- "public-funded research institution" means a research institution in the case of which not less than fifty per cont, of the recurring expenditure is met by the Central Government or the Government of any State or the administration of any Union Territory.
- "hospital" appearing in S.No. 2 includes any Institution, Centre, Trust, Society, Association, Laboratory, Clinic, Maternity Home, which renders medical, surgical or diagonostic treatment.

[F. No. 341/23/94-TRU]

RAJIV SHARMA, Under Sccy.

द्धविमुद्धः

नई दिल्लं, 13 जुलाई, 1994

स . 153/94-नंत्रामुल्यः

त्ता का वि . 532 (घ) -- केन्द्राय सरकार, मामामुख्य द्वाविकियम, 1962 (1962 का 53) का घारा 25 की उत्थारा (1) इस्त प्रदत्त शायिक्यों का प्रयोग करसे हुए, यह समावान ही पर्वा पर कि लीकहिं। में ऐसा करना धाधयमक है, इससे उनाबद सारण के स्तम्भ (2) में बिरिदिष्ट धर्णन के मार सीमाशुक्त टैरिफ मधिनियम, 1975 (1975 का 51) का पहला धनुसूचा के घर्गता जाने वाले मास की (जिन्हें इसमें इसके पाया। अन्त मन्य नहा गा। है), जब उनका भारत में घाटान किया जाए, उक्त धनुसुर्धा में विनिविष्ट उन पर उद्धप्रहर्णाय संपूर्ण सामाणुल्क से बीर द्वितीय लिल्लिखित श्रीबीनियम की धारा 3 के धवान जन पर उवप्रहुणाय समूर्ण मर्तिरुक गुल्क से, असके स्तरम (3) का सहयानी प्रविधित में अधिकायित पानी थे। यक्ति कोई हैं, प्राधीन पहते हुए, सूट देती है।

सा ्णे।		
क्रम सं. भाज	हा धर्णन	ध ने
(1)	(3)	(3)
1. विदेखें मूल को वस्तुः		(i) स्नायातकाती, शायात कारते के समय, यह घोषणा करता है कि उपत माल का सरस्मत स्रीर उन्हें वापस अरुपे के लिए स्नायात किया जा रहा है;
		(ii) उपत मास का धाया। करते की तारीख से छह मास के मीतर या पैसा बढाई गई धविष्ठ के, जो एक वर्ष से धविक ने हो, भीतर, जो
		सीमाणुल्क सङ्गानक कलकटर

अनुज्ञात करे,

जाता है.;

पून: निर्यास किया

- (1). . . _(2)
 - (iil) कीमाशिल्क सहायक कलकटर माल की पहचान के धारे में समाधःन हो जन्ता ष्ट्रे; मीद
 - (iv) साधाभकर्ताः ---
 - (क) दक्त मध्य तर श्रायान करने की तारीख़ से छह माम के मीतर या पूर्वीमश बढाई गई अवधिक भीतर मरभ्यत के पण्चात पुनः निर्मात करने काः;
 - (ख) माल की पुन: निर्वात के पूर्वपहचान के तिए सं'मण्शस्य कलम्टर के समक्ष प्रस्थुत करने का;
 - (ग) यदि नियत घदधि के **मं**(भर g-1: निर्वात किसी जाता है तो शुल्क का संदाय करने का गचनवज्ञ करते हुए बंधपत निष्मादित करता है।
- रंगमंत्र उत्तरकर, जिसके ग्रंसगंत पोबाक भी हैं।
- (i) उपत माञ किम्री विदेश: रंतमंच क्यमो या मुख्य भारने या-(दंग के हीं प्रार प्रथक रोसः क मो या दल में धन्ते दारे के दौरात ध्य⊣ने उनवीम के लिए प्रायात किया गया 8
- (ii) **軟**流 मा सम का प्रस्तानित प्रसिनिधि **ं**से Σ₩∵ ` में भीर "सी प्रतिपूर्तन महित, जो सं/याशर# सष्ठाचक को स्वीकार्य ξÌ, भागम ğır एक संघपन निष्पोदिय करसा है #से रंगमंत्र उबुग्रहणीय मन्क रकम के बराबर रकम का मांग किए जाने पर, संदाय करेगा, यदि उसका ग्रायास करने सारीख से माम के भीतर एँ सी मयधि मायात करने की भी भास से धर्धिक मीतर, जो उपत सहायक कलक्टर प्रनुज्ञात निर्यात नहीं किया जाता है।
- (i) उक्त माल का माल की मधिक मीधना भ उतराई और नियात की लवाई के लिए भायातित माल का वहन करने वाले वीतीं से भायात किया गया

3. पारद्रम

(1) (2)

(3)

- (1)
- (2)

(3)

- (ii) आयातकर्ता, भागात करने के समय, यह घोषणा करता कि पाश्टनों का पुनःनियति किया जाएगा और ऐसे प्ररूप में तथा ऐसी राशि के लिए, सीमाशुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विहित की जाए, स्वयं को भावद्व करते हुए यंधप स निष्पादित करता है कि वह उस राशि का संदाय करेगा, यदि नीचे शर्त (iii) के ग्राधीन पुनः ग्रथधि केभीतर निर्यात पुनःनिर्यात नही किया जाता **t**;
- (iii) पान्ट्नों का भाषात करने की तारीखासे छह भीतर या ऐसी नकाई भाषधि के भीतर, जो सीमामुल्क सहायक कलक्टर घनुकास करे, पुम:निर्यात किया चाएगा, भीर
- (iv) पारट्नों पुनः नियति का **उसी पोत द्वारा जिसने उन्हें** साया है, या उसी पोलपरिवहन ऐजेन्सी के भ्रधीन किसी ग्रन्थ पोस धारा किया जाता है।
- अधिलेखन और रेडियो उपस्कर कच्ची फिल्में, बिडियोटेंप और ध्वनि भ्रमिलेखन् टेप ।
- 3. फोटो जिस, चलचित्रम, ध्वनि- (i) माल की निकासी के समय सधु अलिकों और मृतस्तिकों के संबंध में, मारत सलकार कि धिवेश मंझालय के विवेश प्रचार और क्याचित्रों के प्रभाग के संबंध में, भारत . सरकार और प्रसारण मंख्रालय के सूचना किसी सम्यक रूप से प्राधि-श्रधिकारी से एक ∌त सीमाशुल्क सहायक प्रमाणप त कलक्टर के समक्ष प्रस्तुत कि।यह कि प्रायात प्रयोजन के लिए है जो लोक हित में है और उसे मारत सरकार द्वारा प्रायोजित या भनुमोवित किया गया है ; और
 - (ii) मास्र की निकासी के समय, मायातकर्ता या प्रायोजिक प्राधि-कारी द्वारा सीमाशुल्क सहा-यक कसक्टर की यह वस्तवंत्र विया जाता है कि ऐसे माल फा. जिनकी बाबस छ**ट** का दाना किया है, उनका भागात करने की तारीला से तीन मास या ऐसी बढ़ाई के भीतर पई सबधि के, जो भायात किए जाने को सारीख से बारह

पर्वतारोहण अपस्थार, सामग्री, पोलक, खाद्य पदार्थ और रसद (जिसके अंतर्गत मधसारिक पेय, सिगरेट और तम्बाध् नहीं हैं) चिकित्सा मंडार, जिनके अंतर्गत औषध और चिकित्सा उपस्कर मीहैं।

- माम से प्रधिक न हो, भीतर जो सीमाशुरूक महायक कलक्टर प्रनृज्ञास करे, पुनःनिर्धात किया जाएना और यह यथा-पूर्वोस्त पुनःस्यापित करने में होने सफल को वणा में, उस शुरूक र्सवाय करेगा जो इसमें अंतर्विष्ट छुट न दिए जाने के दगा में अवप्रहीत किया जाता है।
- (i) उक्त माल का कि मी पर्वतारोहण श्रमियान द्वारा किया गया सीर वेभारत में भ्रमियान के बौरान अपयोग किए जाने के लिए प्रावश्यक रूप से प्रवेशित ₹;
- (ii) अभियान भारतीय पर्वतारोहण प्रतिष्ठान. नई विल्ली द्वारा धनुमीदित है और पूर्वीका किसी भी मार्ज का ब्रायात करने वाला ग्रमियान, प्रायात करने के समग्र, उस्त प्रतिष्ठान सीमाश्रुष्टक सहायक कलक्टर के समक्ष इस ग्राशय प्रमाणपान प्रस्तुत करता का 曹伟 ---
- (क) पर्वतारोरुण श्रमियान उन्त प्रतिष्ठान द्वारा अनुमोधित किया गया ŧ;
- (ख) उमत प्रतिष्ठान ने उनत प्रभियान को बाबस मारत सरकार की धनापति प्राप्त कर शीहै; तथा
- (ग) पायातित माल प्रामियान की सब्भाविक मपेकाओं के लिए हैं और
- (iii) भारतीय पर्वसारोहण प्रतिष्ठान, नई विल्ली वारा इस आगय का वचनव इस विया जाता है फि--
- (क) माल का (ऐसे खापने बाले सामान को, जिनका उपयोग किया जाए या ऐसी बस्तुओं को, जो भारत में ग्रमियान के दौरान गुम हो। या ऐसे पर्वतारोहण उप-स्करों की, जिनका भारतीय प्रतिष्ठान, पर्वतारोहण सर्व विल्ली द्वारा बित मंत्रालय (राजस्थ विभाग) के पूर्व अनुमोदन से कप किया

(1) (2)

जाता है, छोड़कर), उनका धायात करने की तारीख से छह मास के भीतर या ऐसी कहाई गई ध्रवधि के भीतर जो सीमामुल्क सहायक कल-त्टर अनुकान करे, धुन: निर्मात किया जाएगा; अन्य

- (स्त) यथापूर्वोक्त पुनः निर्मात करने में भ्रमफल होने की वणा में, उस शुरू का संदाय किया जाएगा जो इसमें अंतर्विष्ट छूट न विए जाने की दशा में ऐसे भाल पर उद्गृहीत किया जाता।
- 6. दैग या लेबल (चाहे थे कागज, कपड़ें से बने हों या प्लास्टिक से), या मृद्रिस पैने (चाहे थे पालिपीय, पालिपीपाइलिन, पर्वाठ सी से बने हों या उच्च साष्ट्रिक या प्रति धमस्त्र याले पालिपीन से)
- (1) उसत माझ का निर्धात के लिए बस्तुओं पर चिपकाने के लिए या ऐसी धस्सुओं के पैकांजग के लिए आयात किया गया हैं;
- (2) द्रायातकर्ता, ऐसे प्ररूप में और ऐसी राशि के लिए, जो सीमाशुल्क सहायक कलक्टर, क्षारा विहिल की आए. बंधपत्र निष्पादित करके स्वयं को इस बात के लिए ग्राबद्ध करता है कि वह उनत मान की बायत जिनके बारे में सीमाशुल्क सहायक कलक्टर के समाधानप्रद यष्ठ साबिल नहीं होता है कि उनका पूर्वोक्त प्रयोजनों की लिए उपमोग किया गया के मांग किए जाने पर उतनी रकम का संदाय भरेगा जो इसमें अंतर्जिष्ट छट न विष जाने की दशा में ऐसे टैगों लेबलों यामुद्धित धैलों पर उपग्रहणीय शुस्क के धराबर हो ;
- (3) आयातकर्ता सहायक कलकटर जो समाधान कर देता है कि इस प्रकार धायातित धस्तुओं का प्रायात करने की तारोख से छह्न सास के भीतर या ऐसी बढ़ाई गई घवधि के घीतर, जो उन्तर सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा धनुकात की आए, नियति कर दिया नथा है।

[फा॰सं॰ 341/23/84 टी॰सार॰यू०] राजीय गर्मी, श्रवर सनिष

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th July, 1994.

No. 153/94-CUSTOMS

G.S.R. 582 (E).—In exercise of the powers conferred under sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods (hereinafter referred to as the said goods) of the description specified in column (2) of the Table hereto annexed and falling within the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (510f 1975), when imported into India, from the whole of the duty of customs leviable thereon specified in the said Schedule and from the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the second mentioned Act subject to the conditions if any, laid down in the corresponding entry in column (3) thereof.

TABLE

Sl. Description of goods Conditions
No.

- 1. Articles of foreign origin
- (i) The importer makes a declaration at the time of import that the said goods are being imported for repairs and return;
- (ii) the said goods are re-exported within six months of the date of importation or within such extended period not exceeding one year, as the Assistant Collector of Customs may allow;
- (iii) the Assistant Collector of Customs is satisfied as regards the identity of the said goods; and
- (iv) the importer executes a bond undertaking.
 - (a) to re-export the said goods after repairs within six months of the date of importation or within the aforesaid extended period;
 - (b) to produce the goods before the Assistant Collector of Customs for identification before re-export;
 - (c) to pay the duty if the reexport does not take place within the stipulated period.
- 2. Theatrical equipment including customer
- The said goods belong to a foreign theatrical company or dancing troupe and have been imported by such company or troupe for its use during its tour in India;

3

. 3

- (ii) an accredited representative of the company or troups executes a bond, in such form and with such surety as may be acceptable to the Assistant Collector of Customs, binding himself to pay on demand an amount equal to twice the amount of duty leviable on such theatrical equipment if the same not re-exported within slx months from the date of importation or such extended period not exceeding nine months from the date of importation as the said Assistant Collector may allow.
- 3. Pontoons
- (i) The said goods have been imported along with ships carrying imported goods, for the more speedy unloading of imported goods and loadof export goods; ing
- (ii) the importer makes a declartion at the time of import that the pontoons would be re-exported and executes a bond in such form and for Buch sum as may be presby the Assistant cribed Collector of Customs binding himself to pay that sum the re-export does not take place within the period specified under condition (iil) below;
- (iil) the pontoons are re-exported within six months of the date of importation or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- (iv) the pontoons are-re-exported by the same ship which bought them or by any other ship under the same shipping agency.
- 4. Photographic, filming. sound-recording and radio equipments, raw #Ims, video-tapes and sound-recording tapes.
- (i) A certificate is produced to the Assistant Collector of customs at the time of clearance of the goods from a duly authorisofficer of the External Publicity Division 1 4 1 of the Ministry of External Affairs Government of India, in res. pect of short films and documentaries and the Ministry of Information and Broadcasting, Government of India, in respect of feature films, that the importation

is for a purpose which is in the public interest and has been sponsored or approved by the Government of India; and

3

- (ii) an undertaking is given by the importer or the sponsoring authority to the Assistant Collector of Customs at the time of clearance of goods that the goods in respect of which the exemption is claimed shall be re-exported within three months from the date of their importation or within such extended period, not exceeding 12 months from the date of importation, as the Assistant Collector of Customs may allow and that, in the event of failure to re-export, as aforesaid, to pay the duty which would have been lovied but for the exemption contained herein.
- 5. Mountaineering equip- (i) The said goods have ments, materials, clothings, foodstuffs and provisions, (excluding alcoholic drinks. cigarettes and tobacco), medical stores including medicines and medical equipments.
 - imported by a mountaineering expedition and are essentially required to be used during the expedition in India:
 - (ii) The expedition is approved by the Indian Mountaineering Foundation. New Delhi. and the expedition importing any of the goods aforesaid produces a certificate from the said foundation, to the Collector Assistant of Customs at the time of importation, to the effect that-
 - (a) the mountaincering expedition had been approved by the said Foundation:
 - (b) the said foundation obtained clearance of the Government of India in respect of the said expedition; and
 - (c) the goods imported for the bona fide requirements of the OXpedition; and
 - (iii) an undertaking is given by the Indian Mountaineering Foundation, New Delhi, to the effect that-
 - (a) the goods (except such of the consumable stores as may be consumed or other

articles as may be lost during the course of the expedition in India or mountaineerequipments as are purchased by the Indian Mountaineering Foundation, New Delhi with the prior approval of Ministry of Finance (Depart_ ment of Revenue)] shall be re-exported within six months from the date of their importation or within such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and

- (b) In the event of the failure to re-export as aforesaid, duty which would have been levied on such goods but for the exemption contained herein, shall be paid.
- 6. Tags or labels (whether made of paper, cloth or plastic), or printed bags (whether made of polythene molecular or high density polyethylene)
- (i) The said goods have been imported for fixing on articles for export or for the packaging of such articles: polypropylene, PVC, high (ii) the importer, by execution of a bond in such form and for such sum as may be prescribed by the Assistant Collector of Customs, binds himself to payon demand in respect of the said goods as are not proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs have been used for the aforesaid purposes, an amount equal to the duty leviable on such tags or labels or printed bags but for the exemption contained herein:
 - (iii) the importer satisfies the Assistant Collector that the articles so imported have been exported within six months of the date of importation or within such extended period as may be permitted by the said Assistant Collector.

[F.No. 341/23/94-TRU] RAJIV SHARMA, Under Secy.

यक्षिस्चना

सई बिरुली, 13 जुलाई, 1994

सं, 154/94--सीमाशस्क

मा, का, नि, 583 (म):--केन्डीय सरकार, सीमाधुल्क ग्राधिनियम, ा 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) हारा प्रवत मिनित्यों का प्रमीग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लीक हित में ऐसा करना बावण्यक है, इससे उपाबद सारणी के स्तंब (2) में त्रिनिविष्ट वर्णन के और सीमागुल्क टैरिफ म्राधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहती धनुसूची के अंतर्गत झाने वाले मालकी (जिन्हें इसमें इसके परवास उन्ते माल कहा गया है), जब उनका भारत में ग्रायात किया जाए, उपत धनसदी में विनिर्दिष्ट उन पर उद्यहणीय संपूर्ण सीमा-गुल्क से और द्वितीय दल्तिखत अधिनियम की धारा 3 के प्राठीन उन पर उपग्रहणीय संपूर्ण प्रतिरिक्त गृहक से, उतके स्तंम (3) की तत्थ्यानी प्रविधिट में मधिकथित मार्जी के यदि कोई हैं, सधीन पहती हुए. धूट देती है।

मारणी

ऋगमं. मालकावर्णन		भार्त	
(1)	(2)	(3)	
1. भम्	ने	त्रवृतों को अन्तरराष्ट्रीय अभिरामय के अधीन और उसके अनुसार जेनेबा में तारीख 7 नश्र-धर, 1952 को तैयार किए गए बाणिज्यिक नमूनों और विकादन	

2. कीमत सुधी

3 बाणि जियक नमणे

सामग्री के महत्व की सकर बनाने के लिए आवास गल्क से छट प्राप्त है।

रीमत सुची का प्रचाय नि.गुल्क किया जाता है और उनको उत्पर इन सं. 1 के सामने उल्लिखित प्रभिसमय के प्रधीन और उसके धनसार भाषास शुल्क से इंड प्राप्त है।

- (i) उक्त माल का सदशाविक वाणिज्यिक यान्नियों द्वारा तिजी सामान के रूप में मायात किया गया है या डाफ द्वारा या गायमार्ग भाषात किया गया द्वारी ð;
- (ii) मामातकता, मामास करने के समय, यह घीषणा करता है कि नम्नों का केवल नियतिकसीओं और उत्पादकों के भागेदर्शन के लिए भारत में दिखाए जाने के प्रयोजन के लिए भाषात किया गया है, उसके समर्थन में ग्रथा-स्थिति, निर्यात संबर्धन परिवद या बस्तू कोई से या अट भायनम् या ध्यापार विकास प्राधिकरण से एक प्रमाण-पत्र या विदेशी व्यापारियों की दशा में, भारतीय विदेशी मिशनों में के प्रथम सचिव (वाणिज्यिक) द्वार्ट इस्ताक्षरित प्रमाणपत्र प्रस्तत किया जाएगाः,
- (iii) आयात् वारह मारा अवधि के भोतर गल्य मे वस हजार रापमों धा संख्य में दम यूनिटों से आधिक नहीं है

(1)

(2)

(3)

(1)

(2)

(3)

प्रपेक्षित हैं:

लिए या उनको प्राप्त करने

के संबद्ध में उपयोग के लिए

इस शर्त में किसी बात के होते हुए भी, जहां इस प्रकार ग्रायातिन नम्नों के युनिटो की सख्या दस से श्रधिक हो जातो है किन्तु मभी नमनो कामल्य पांच हजार रूपशें में ग्रधिक नही होता है, वहा स्नायानकर्ता उपर शर्त (ii) में उल्लिखिन सम्चित प्राधिकारी से एक ग्राविस्कित प्रमाणपता प्रस्तृत करेगा कि इस प्रकार ग्रायातित सभी नम्ने निर्मात के संबंध में उत्पाद विकास के हें और वे लिए ग्रावश्यक स्वरूप में सवभाविक हैं,

- (iv) नमुनीं को चिन्हांकित करके विदारित करके, छेदिन करके, श्चन्य प्रक्रियाओं द्वारा के रूप में निरर्थक दिया जाता है और मभव नही जहां यह वहां उनका ग्राया∃ मास की ग्रकश्चि ऐसी बढाई गई ग्रवधि के भीतर, जी सीमाश्तक सहायक कलक्टर क्षारा अनज्ञात किया जाए, पुनः निर्यान किया जाना है, और
- (v) आयानकतो, ऐसे प्रस्ला में और ऐसी राणि के लिए, जो सोभागतक सहायक कलकटर द्वारा विद्वित को जाए. करके निष्पदित बंधपरा स्वाय की इस बात के लिए <mark>प्रायद्ध करता है कि व</mark>ह ऐसे नमनो की बाबन जिनके बारे में सीमाण्टक सहायक कलक्टर के समाधानप्रदास्य में यह साबित नही होता है कि उनका पूर्वीयन प्रयोजन के लिए उपयोग किया गया है, माग किए जाने पर, उतनी रवाम का सदाप करेगा जो इसम अशिवित छटन दिए जान की दशा में ऐसी माला पर उद्यक्षणीय शुक्क के बराबर हो।
- 4. तिर्यात ग्रार्डर निष्पादित करने के लिए या उनको प्राप्त करने के संबंध में उपयोग के लिए नमुनों के रूप मे भाषातित इंजोनियरी माल के भावि प्ररूप
- (1) श्रायातकर्ता, विशिष्ट निर्मात या ध्यापार विकास बोर्ड प्राधिकरण से सबद्ध निर्मात संबर्धन परिषद से इस ग्राणय का एक प्रभाण पत्र प्रस्तुत करता है कि नमने निर्धात पाउँर निष्पादित करने के

(2) जहां किसी नमुने का मुख्य दस हजार रुपयों से अधिक नहीं है, वहां उसे किसी उप-यक्त प्रक्रिया द्वारा वण्य के रूप मे निर्थंक दना दिया जाएगा और जहां यह समक नहीं है, बहां उसका साधात के नी मास की प्रवधि या

ऐसी बढ़ाई गई प्रवधि के

भीतर, जो सीमा शल्क सहायक

कलक्टर द्वारा अनुज्ञात किया

जाए, पूनः निर्यात किया

जाता है:

- (3) जहा किसी नमने का मल्या दस हजार रुपयों के ग्राधिक है, वहां उसका श्रायात के नौ माम को प्रविधि या बढ़ाई गई भवधि के भीतर, को सीमाण्लक सहायक कल**-**क्टर द्वारा ग्रम्झात किया जाए, पूनः निर्धात किया जाएगा: और
- (4) ग्रामातकर्ता, यथास्थिति, शर्त (2) और शर्त (3) प्रवर्तित करने के प्रयोजन के लिए, ऐसे प्ररूप में और ऐसी राशि के लिए नथा ऐसी प्रतिभूति सहित, जो सोमा*ग्*ल्क सहायक कतक्टर डारा विहित को जाए, एक बंधपस निष्पा-दित करेगा।
- 5 सदभाविक वाणिज्यिक नम्ने और श्रादि प्ररूप
- (1) उन्धामाल का डाक दारा या किसी वाययान में या कृरियर सेवा द्वारा प्रायात किया गया है :
- (2) उक्त नमणीं या ग्रादिप्रक्षीं का मृत्य तेरह सा न्ययो से प्रधिक नहीं है और उक्त नमनों तथा पादिप्ररूपो के प्रत्येक प्रकार की संख्या दो यनिटों से सधिक नहीं है. और
- (3) उक्त माल का प्रशंप नि श्लक किया गया है।
- फि म. 341/23/94-टो. मार. यू.**ा** राजीव शर्मा, प्रव*र* सं<mark>चिव</mark>

(1)

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th July, 1994

No. 154/94-CUSTOMS

G.S.R. 583. (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods (hereinafter referred to as the said goods) of the description specified in column (2) of the Table hereto annexed and falling within the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India, from the whole of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said schedule and from the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the second mentioned Act subject to the conditions, if any, laid down in the corresponding entry in column (3) thereof.

TABLE

S.	D. scription of goods	Conditions	
No.		·	-
1	2	3	

Samples

The samples are exempt from import duties under and in accordance with the International Convention to facilitate the importation of Commercial Samples and Advertising material drawn up at Geneva and dated the 7th day of November, 1952.

2. Price lists

The price lists are supplied free of charge and are exempt from import duties under and in accordance with the Convention mentioned against S. No. 1 above.

Commercial samples

- (i) The said goods have been imported as personal baggage by bona fide commercial travellers and businessmen or imported by post or by air;
- (ii) the importer declares at the time of importation that the samples have been imported solely for the purpose of being shown in India for the guidance of exporters and produces in support thereof a certificate from one of the Export Promotion Councils or Commodity Boards or from the Jute Commissioner or the Trade Development Authority or in the case of foreign businessmen, a certificate signed by the First

(2)

Secretary (Commercial) in the Indian Missions abroad, as the case may be;

- (iii) the import does not exceeds Rupecs ten thousand in value or ten units in number within a period of twelve months; Notwithstanding thing contained in this condition, where the number of units of samples exceeds but the value of all the samples so imported does not exceed five thousand rupees, importer shall produce an additional certificate from the appropriate authority mentioned in condition(ii) above that all the samples so imported are essential for product development for export and that they are bona fide in I character:
- (iv) the samples are rendered useless as merchandise by marking, tearing, perforation, or other processes and where this is not possible they are re-exported within a period of nine months of import or such extended period as may be allowed by the Assistant Collector of Customs; and
- (v) the importer shall, by the execution of a bond in such form and for such sum as may be prescribed by the Assistant Collector of Customs, bind himself to pay on demand in respect of such samples as are not proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to have been used for the aforesaid purpose, amount equal to the duty leviable on such quantity but for the exemption contained herein.

3

- goods imported as samples for executing or for use in connection with securing export orders.
- 4. Prototype of engineering (i) The importer produces a certificate from the Export Promotion Council with the concerned export particular or the Trade Development Authority to the effect that the samples are required for executing or for use in connection with securing export orders:
 - (ii) where the value of a sample does not exceed Rupees ten thousand the same shall be rendered useless as merchandise any suitable process and where this is not possible they are reexported within a period of nine months import or such extended period as may be allowed by the Assistant Collector of Customs;
 - (iii) where the value of a sample exceeds Rupees ten thousand the same shall be re-exported within a period of nine months of import or such extended period as may be allowed by the Assistant Collector of Customs; and
 - (iv) the importer shall execute a bond in such form and for such sum and with such surety as may be prescribed by the Assistant Collector of Customs. for the purpose of enforcing conditions (ii) and (iii), as the case may be.
- 5. Bona fide commercial samples and prototypes
- (i) The said goods have been imported by post or in an aircraft, or by courier service;
- (ii) the value of the said samples for prototype does not exceed rupees thousand three hundred and the number of each type of the said samples and prototypes is not more than two units; and
- (iii) the said goods have been supplied free of charge.

[F.No. 341/23/94-TRU] RAJIV SHARMA, Under Secy.

ग्रधिसूचना

नर्क विल्ली, 13 जुलाई, 1994

155/94 - सीमागुरुक

सा. का. नि. 584(अ): केन्द्रीय सरकार सीमाशस्क ग्रिधिनियम. 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह ममाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है. इसने उपाबद्ध सारणी के स्तंभ (2) में विनि-दिष्ट वर्णन के और सीमाशस्क टैरिफ मिधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली धनसूची के धन्तर्गत धाने वाले माल पर जब उसका भारत में प्रायात किया जाए, जो उक्त भन्मूचो में ब्रिनिविष्ट है उस पर उदग्रहणीय समस्त सीमाशुल्क से, और द्वितीय वर्णित प्रधिनियम, की धारा 3 के ब्रधीन उस पर उवग्रहणीय समस्त प्रतिरिक्त श्⊬क से उसके स्तंभ (3) में की तरस्थानी प्रविध्टि में विनिर्विष्ट गर्लों के, यदि कोई हों, अधीन रहते हुए, छूट देती है।

सारणी

ऋगसं.	माल क	 वर्णन,	 सर्त	
	 -			
1	2		3	

हुची "क"

- वाय्यान, वाय्यान के पुर्जे, वाय्- माल भारत मरकार या िहसी राज्य
- 2. ज़िन्स, औजार और रक्षा में उपयोग के ज़िए ब युयानों के भूमि पर ह्यालने वाले उपस्कर
- 3 भायध गोलाबास्व और सेता भंडार
- रक्षा सेवाओं द्वारा प्रस्तुत तिम्त-, लिखित उपस्कर ; अर्थात : ·
- (i) ऐसे औजार और गेज जो केवल भेवा उपयोग के गोलाबारव और विस्फोटकों के साथ उपयोग लिए हैं ;

गोलः बास्व रसायन, -विद्यत द्मधिक्कोटक, धनि तिदेशक और ग्रामि नियंक्षण उपकरण औसे परा-समापी, प्राग्यक्ता, कठवत, कम्प्यू-टर, वर्श कायल, संकेत उपस्कर (जिसमें बेतार उपस्कर और उसके सद्यटक पूर्जे हैं जिसका पूर्णतः रक्षा सेवा द्वारा उपयोग किया जाता है) सेना में प्रयोग किए जाने के लिए राहार के लिए परीक्षण उपस्कर, सेना सेत् भंडार और उपस्कर, एस्डिक और ईको व्यक्ति उपस्कर, बायुसेमा के उपयोग के लिए विशेषींकृतं कैमरा, माइन प्रसर्प नियर और पैराशूट।

(ii) राजार, ढोरपीको, सोनार सेट; माइन साज्ञता नियर, बुबकी उप-स्कर और उसके पुंजें, उपसाधन जिन्स, औजार परीक्षण उपस्कर और संबद्धका

यान इंजन और बायुयान इंजन के सरकार द्वारा भाषात किया गया है या भारत सरकार या किसी राज्य सरकार के किसी विभाग के मावेश पर उसकी लवाई की गई है और लवाई के समय ऐसे झावेश के मदे विनियोजित किया गरा है या ग्रायक्ष किए जाने पर भाणकार में रखा गया है और मारत सरकार या किसी राज्य सरकार के किसी विभाग के भादेगानुसार या उसके मधीन उसकी निकासी पर दी गई है और निकासी के समय ऐसे भादेश के मह विनियोजित किया पना है।

1

- (iii) अतिरिवत पूर्णे, उपसाधान, जिग्स औजार, परीक्षण उपस्कर, संघटक विशेष कच्ची सामग्री विशिष्टतः रक्षा सेवा में धारमेर और विशिष्ट यान के लिए ग्रर्डनिर्मित जैसे इस्पात, फोर्जन और हालना।
- (iv) निर्देश शस्त्र और उसके उप-साधन ।
- (V) संघटकों, पूर्जे, जिन्स, फिक्स**व**र अजार, हाई, सांचा और मार्ग-वर्शित शस्त्र और उसके उप-साधनों के विनिर्माण में भनेक्षित परीक्षण उपस्कर।
 - निर्धेन शस्त्र और उन[े] उन-साधन के विनिर्माण के लिए भ्रापे-क्षित कच्ची सामग्री और विशेष सामग्री.।
- (vii) भैल द्वित और खंडित।
 - करेंसी नोट प्रम्प
 - ्परिश्रमण यान और उसके पूर्वे

र्ची "ख"

- 1. वेद्रांल यान के मन्तिर्माण या फिटमेंट या उसके रखरखाव के लिए अपेक्षित मशीन, साधित, उपकरण और उपस्कर
- बेह्यर पारेपण और फ्राभिग्राहर सेंट और उसके संघटक
- राम्नि दर्षिट उपस्कर और उस है संघटक
- गोला बारूव
- इस सुची में विनिर्विष्ट किसी भी मव की लाबस पूर्ज
- पेटोल यान के पुर्जे

मालभारत सरकार या भारत सरकार द्वारा प्राधिकृत कि । ध्यक्ति द्वारा श्रायात किया गया है या तस्करी त्रिरोधी कार्रवाई नं प्रयोग है लिए भारत सरकार के विभाग के प्रादेश मे लादा गया है और लदान ः ऐसे भादेग के अप्रजीत वि 📖 🧸 किया गया है तथा भाषातकर्ता भारत 4. घामध और उसके सभाक और सरकार के राजस्य विभाग के धवर मचिव से इस श्राशय का एक प्रमाण पन प्रस्तुत करता है कि वह माल जिसकी बाबत इसमें अंतर्विष्ट छट का वाबा किया गया है, तस्करी विरोधो कार्रवाई में उपयोग के लिए आशयित है।

सूची 'ग'

- 1. स्पेडहीट ग्रेनेडस सीएम
- प्रैक्टिस ग्रेनेडस
- विलम्ब वाच २ हि।
- माडल उप एकल स्फोट ग्रेनेडस
- दिलम्ब वाली दागने की यांत्रिकी
- 7. तीन तरफा ग्रेनेडम के लिए दो सेकेन्ड विलम्ब वाली वापन ग्रांसिकी
- लांग रेंज मोल सी एन सीएस
- शाट रेंज शेल सी एन/सी**र**स
- 10. क्लाइट राइट फेल सी एन/सीएस

माल राज्यों या संघ राज्य क्षेत्रों तीन तरफा ग्रेनेडस मी एन मीएस के पुलिस बल या केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के उपयोग के लिए स्फोट विमुर्जन ग्रेनेडस दो सेकेन्ड भायात किया गया है और मायात-कर्ता, भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अवर मधिव से इस भागय का स्पेट ग्रेनेडस के लिए एक सेकेण्ड एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करता है कि वह माल जिसकी बाबत इसमें अंतर्विष्ट छुट का दावा किया गया

> राज्य या संघ राज्य क्षेत्र के पुलिस बल या केम्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के उ।योग के लिए भागयित है।

प्रैक्टिस शेल की एन की एस

- 12. प्रेक्टिस शेल के लिए राष्ट्रफल उपसाधन, टोपी, गैस गोली और पून: टोपी और टोपी हटाने की मशीन
- 13. शैस गन और उपमाधन और मैस गन के लिए फालतू पुर्जे
- द्रा**उच्यान** 14
- 15. द्वाजस्यान कार्टिसज
- 16. एक संकेन्ड बाउन्च
- वो सेकेण्ड बाउरच
- रासायनिक मेस
- षायुविलय प्रश्नुगैस छिङ्काव
- प्रश्राम गोला 20
- ⁰पर फाग 21
- रुलेट महाय संरक्षक वेस्ट

(事. 点. 341/23/94 दी. प्रार. य.] राजीय सर्मा, प्रवर मजिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th July, 1994

No. 155/94-CUSTOMS

G.S.R. 584 (E) -In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Contral Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods of the description specified in column (2) of the Table hereto annexed and falling within the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India, from the whole of the duty of customs leviable thereon which is specifie ' 1 the said Schedule and from the whole out five additionant table as second mentioned Act subject to the conditions, if rays specified in the corresponding entry in column (3) $t^{\perp} = 0$ of.

TABLE

S. Do	escription of goods	Condition	
(1)	(2)	(3)	

List A:

- 1. Aircraft, aircraft parts, aircraft engines and air craft engine parts.
- 2. Jigs, tools and ground handling equipments of aircrafts for defence use.
- 3. Arms, ammunition and military
- 4. The following equipments and stores used by the Defence Services, namely:---
 - (i) Tools and Gauges which are for use only with ammunition and explosives of service usc: Ammunition Chemicals; Elec-

The goods have been imported by the Government of India or a State Government or shipped on the order of a Department of the Government of India or a State Government and are appropriated to such order at the time of shiptric Detonators; Fire Directing and Fire Control Instruments such as Range-Finders, Preditors, Platters, Computers; Sights Dial; Signal Equipment (including wireless equipment and component parts thereof, used exclusively by the Defence Services); Test equipment for Radars for Service use; Military Bridging Stores and equipments; ASDIC and ECHO Sounding equipment: Specialised Cameras for Air Force use; Mine sweeping gear, and

ment, or have heen warehoused on importation and cleared by or under the orders of a Department of the Government of India or of a State Government and are appropriated to such order at the time of clearance

3

(ii) Radar, Torpedoes, Sonar sets, mine laying gear, Diving equipment and their spares, accessories, jig's, tools, testing equipment and components.

parachutes.

- (iii) Spare parts, accessories, jigs, tools, testing equipment, components, special raw materials and half wroughts like steel forgings and castings, to be processed into finished components for armoured and specialised vehicles peculiar to the Defence Services.
- (iv) Guided weapons and their accessories.
- (v) Components, spares, jigs, fixtures, tools, dies, moulds and test equipments required for the manufacture and testing of guided weapons and their accessories.
- (vi) Raw materials and special materials required for the manufacture of guided weapons and their accessories

(vii) Rock drills and breakers

- 5. Currency note forms
- 6. Hovercrafts and parts thereof.

LIST B:

1. Machines, appliances, ins- The goods have been imported truments and equipments by the Government of India, or required for the construct by a person authorised by the tion of, or fitment to or Government of India, or shipp1 maintenance of, patrol

crafts

2

- receiving sets and their components
- 3. Night vision equipment and their components.
- 4. Arms and their components and ammunition.
- 5. Spare parts in respect of any of the items specified in this list.

ed on the order of a Department of the Government of India, 2. Wireless transmission and for use in anti-smuggling operations and are appropriated under such order at the time of shipment and the importer produces a certificate from the Under Secretary to the Government of India in the Department of Revenue, to the effect that the goods in respect of which the exemption con-

3

6. Spare parts of patrol crafts tained herein is claimed are intended for use in anti-smuggling operations,

The goods have been imported

for the used of the Police Force

of the States or the Union Terri-

tories, or the Central Reserve

Under Secretary to the Govern-

ment of India in the Ministry

which the exemption contained

the State or Union Territory or

LIST C:

- Spedeheat Grenades CS
- 2. Three-way Grenades CN/
- Practice Grenades
- Blast Dispersion Grenades Police Force and the importer with Two Second Bouchon produces a certifleate from the
- 5. Model 34 Single Blast Grenades.
- 6. One Second Delay Firing of "Home Affairs to the effect Mechanism for Spedcheat that the goods in respect of Grenades.
- 7. Two Second Delay Firing herein is claimed are intended Mechanism for Three-way for use of the police force of Grenades.
- 8. Long Rage Shells CN/CS the Central Reserve Police
- Short Range Shells CN/ Force.
- 10. Flite Rite -Shells CN/CS
- 11. Practice Shells CN/CS
- 12. Refills, accessories, caps, Gas pellets and Recapping and Decapping Machines for Practice Shells.
- 13. Gas Guns and accessories and spare parts for Gas Guns
- Truncheons
- 15. Truncheons Cartridges
- 16. One Second Bouchons
- 17. Two Second Bouchons
- 18. Chemical Mace
- 19. Acrosul Tear Gas Spray
- 20. Tear Gas Billets
- 21. Paper Fog.
- 22. Bullet Proof Protective Vests.

[F.No. 341/23/94-TRU] RAJIV SHARMA, Under Secy.